RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:14 ता. 10 जुलाई 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

उत्तराखंड में पानी ही पानी.....

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से लेकर स्कूल-बाजार सब डूबे

उधमसिंह नगर ।

बारिश का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मुंबई में बारिश ने कहर मचाया हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान उत्तराखंड में हुआ है। यहां नदी-नाले उफान पर हैं। आलम ये है कि कुछ नदियां अपनी सारी हदें तोड़कर आबादी तक आ गई हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से लेकर स्कूल-बाजार तक पानी में डूबे हुए हैं। उधमसिंह नगर के खटीमा में जबरदस्त बारिश हुई। तेज बारिश के कारण चारों तरफ पानी ही पानी हो गया। नेपाल और पिथौरागढ़ को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे भी पानी में पूरी तरह से डूब गया। खटीमा के टोल प्लाजा के आस-पास इतना पानी भर गया कि पूरा टोल बूथ ही पानी में ही डूब गया। पानी भरने के बाद टोल प्लाजा का ऑपरेशन रोकना पड़ा। खटीमा और सितारगंज के अलावा चंपावत जिले के पूर्णागिरि डिवीजन में पानी भरने के कारण पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल-एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिवादन बल-एसडीआरएफ के जवानों को लगभग 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। इन लोगों ने होटल, सामुदायिक भवनों और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है। इस बीच राहत की बात ये है कि बारिश के चलते रोकी गई चारधाम यात्रा फिर से शुरू हो गई है। राज्य भर में 200 से अधिक ग्रामीण सड़कें भूस्खलन के मलबे से अवरुद्ध हो गई है। पिथौरागढ़ जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। टनकपुर से पिथौरागढ़ तक का बारहमासी मार्ग भारी बारिश के कारण पिछले चार दिनों में कई बार बंद हो चुका है। इस मार्ग को पिथौरागढ़ और चंपावत दोनों जिलों की जीवन रेखा माना जाता है। जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी बीएस महार ने बताया कि पिथौरागढ़ जिले में बारिश के बाद छह सीमावर्ती सड़कों और 21 ग्रामीण सड़कों सहित 28 से अधिक सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं। नैनीताल जिले में हल्द्वानी के पास नदियां और नाले उफान पर हैं,

गौला नदी का जलस्तर बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पास जमीन का कटाव शुरू हो गया है।

बारिश के कहर के बाद अब पहाड़ों पर खिली धूप भी लोगों के जी का जंजाल बन गई है। धूप खिलने के कारण पहाड़ चटकने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। जोशीमठ से एक किलोमीटर पहले बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग जोगी धारा के पास बाधित हो गया है। हालांकि मौके पर दो जेसीबी मशीन लगाकर रास्ते को खोलने का काम जारी है।

रूस की यात्रा पर पीएम मोदी.....अमेरिका की खास अपील

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की अपनी दो दिवसीय यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा पर अमेरिका-चीन सहित दुनियाभर की निगाहें टिकी हैं। इसके बाद अमेरिका की ओर से पीएम मोदी से खास अपील की गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हमने हंगरी के प्रधानमंत्री पीएम ओर्बन की तरह पीएम मोदी को राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से मिलते देखा। हमें लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है। रूस के साथ बातचीत करने वाले किसी भी देश की तरह हम भारत से भी आग्रह करते हैं, कि यूक्रेन में संघर्ष का कोई भी समाधान ऐसा होना चाहिए जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करता हो, जो यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता, यूक्रेन की संप्रभुता का सम्मान करता हो और जिसमें उसके साथ संबंधों के बारे में हमारी चिंताएं शामिल हों। भारत हमारा स्ट्रैटेजिक साझेदार है, जिनके साथ हमारी स्पष्ट बातचीत है। मैथ्यू ने कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि भारत, या कोई अन्य देश जब रूस के साथ जुड़ेगा तब वह स्पष्ट करेगा कि मॉस्को को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।

रूसी सेना में फंसे युवाओं की वापसी.....परिवार दे रहा पीएम मोदी को धन्यवाद

बटाला । रूसी सेना में फंसे भारतीय युवाओं की देश वापसी के लिए पीएम मोदी और रूसी प्रधानमंत्री पुतिन के बीच हुई बातचीत के बाद की स्वदेश वापसी का फैसला लिया गया है, जिसके बाद युवाओं के परिवारों में खुशी की लहर है। बता दें कि रूस में चल रहे युद्ध में पहले ही चार भारतीय मारे जा चुके हैं और 10 वापस लौट आए हैं। लेकिन, अभी भी 35 से 40 भारतीय फंसे हुए हैं। भारत सभी को वापस लाने की जिद कर रहा था। गुरदासपुर के गांव देहरीवाल के रहने वाले जवान गगनदीप सिंह भी रूसी सेना में फंस गए हैं। लेकिन, अब उनकी वापसी की खबर सुनने के बाद परिवार की जान में जान आई है। परिवार में खुशी की लहर है। उनके पिता बलविंदर सिंह ने मोदी सरकार को धन्यवाद देकर कहा कि गगनदीप सिंह 24 दिसंबर को एक पर्यटक के रूप में रूस गए थे। वहां घूमने के बहाने उन्हें अपने साथ गाड़ी में ले गए।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने लातूर से की गिरफ्तारी

मुंबई । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित 'हेरफेर' करने के आरोप में एक व्यक्ति को लातूर से गिरफ्तार किया। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अबतक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने लातूर से जुड़े मामले में नंजुनेश्वपा जी नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। आरोप है कि लातूर के सरकारी स्कूल के दो शिक्षकों ने नीट-यूजी अभ्यर्थियों से परीक्षा में सफलता सुनिश्चित करने के लिए करीब पांच लाख रुपये की मांग की थी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने अब तक बिहार नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, और लातूर तथा गोधरा में कथित हेरफेर के सिलसिले में एक-एक व्यक्ति को, जबकि साजिश के आरोप में देहरादून से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। केंद्र की मोदी सरकार ने पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर बड़े पैमाने पर उठे विवाद के बाद सीबीआई को प्रकरण की जांच करने की जिम्मेदारी दी। बिहार में दर्ज प्राथमिकी प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़ा है, जबकि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में दर्ज प्राथमिकी अभ्यर्थियों के स्थान पर दूसरे व्यक्ति के परीक्षा देने और हेरफेर से जुड़ा है। नीट-यूजी का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने किया था और इसके जरिये सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश मिलता है। इस साल पांच मई को दूसरे देश के 14 शहरों सहित 571 शहरों में फैले 4,750 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा हुई थी और 23 लाख से अधिक अभ्यार्थियों ने यह परीक्षा दी थी।

दिल्ली मेट्रो में चोरी करते पकड़ाया शख्स, खूब हुई धुनाई, हाथ जोड़कर मांग रहा माफी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो यात्रा के लिए बेहद सुरक्षित मानी जाती है लेकिन अक्सर इसमें चोरी की घटनाएं भी सामने आती हैं। चोर यात्रियों के मोबाइल और पर्स को चुरा लेते हैं। कुछ महीने पहले महिलाओं का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें मेट्रो में चढ़ते वक्त चोरी की घटना को अंजाम देते दिखा गया जिसमें एक व्यक्ति दूसरे शख्स की पिटाई कर रहा है। शख्स हाथ जोड़कर माफी मांग रहा है। मेट्रो में मौजूद कई लोग इस घटना का वीडियो बना रहे हैं। 30 सेकंड का यह वीडियो कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन का बताया जा रहा है। वीडियो में एक शख्स हाथ जोड़कर माफी मांगता दिख रहा है। तभी वहीं खड़ा एक व्यक्ति उसके सीने पर लात मारता है। इसपर शख्स कहता है कि अंकलजी मैं मर जाऊंगा। अंकलजी आज के बाद नहीं करुंगा, माफ कर दीजिए। उसके बाद व्यक्ति उसे कई थप्पड़ मारता है। शख्स हाथ जोड़कर माफ करने के लिए गिड़गिड़ाता है। इसी दौरान वीडियो शूट कर रही महिला बोलती है कि इनकी शक्ल दिखनी चाहिए ताकि सभी को पता चल सके कि कैसे चोर हैं ये।

पुतिन ने गाड़ी में बैठाकर पीएम मोदी को घुमाया अपना लग्जरी घर

छह मीटर ऊंची दीवार, बंकर और फुल सिक्योरिटी ट्रेन जिसके आगे महल भी फेल

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी अभी रूस में हैं वहां उनकी खूब खातिरदारी की जा रही है। पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घर भी गए, जहां दोनों के बीच बातचीत हुई। पुतिन ने पीएम मोदी को अपना घर भी घुमाया।

यह घर था या महल इसके आगे तो महल भी फेल हो गए। पीएम मोदी, पुतिन के साथ उनकी गाड़ी में बैठे गाड़ी खुद पुतिन चला रहे थे और पीएम मोदी को घर घुमा रहे थे। पुतिन का घर इतनी लग्जरी और बड़ा है।

पुतिन के घर का नाम नोवो-उगार्योवो है। ये रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक सबअर्बन रेजिडेंस है, जो मॉस्को शहर से कुछ दूर एक जंगल में नदी किनारे पर बना है। बताया जा रहा है पुतिन ज्यादा वक्त यही गुजारते हैं, ऐसे में इसे ही पुतिन का घर माना जाता है। कोविड के दौरान भी पुतिन यहां ही आइसोलेटेड हुए थे।

पुतिन विदेशी मेहमानों से भी अक्सर यहीं मुलाकात करते हैं। इसके अलावा रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक रेजिडेंस क्रेमलिन है, जो मॉस्को में ही है। बता दें कि नोवो-उगार्योवो आधिकारिक फंक्शन, विदेशी मेहमान से मुलाकात, किसी कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे 1950 में बनाया गया था, जो सोवियत संघ के दिग्गज नेता ग्रेगॉर मालेनकोव के कहने पर बनाया गया था और इसे उनकी बेटी ने ही डिजाइन किया था।

फिर साल 1991 में सरकारी रेजिडेंसी के रुप में रिजर्व कर दिया और पुतिन ने साल 2000 में रिनोवेट करवाया और 2000 में इसे प्राइवेट रेजिडेंस मान लिया।

ये घर काफी लग्जरी है और विशेष कलाकारी के साथ इसे बनाया गया है। इसके चारों तरफ छह मीटर ऊंची दीवार है। ये किसी महल से कम नहीं है। इसमें एक खास बंकर है और राष्ट्रपति को किसी भी विपरीत परिस्थिति में यहां छुपा दिया जाता है। पुतिन के लिए एक खास रेलवे नेटवर्क भी है, जो इसे अपनी दूसरे रेजिडेंस से जोड़ता है। ये ट्रेन काफी सिक्योरिटी वाली ट्रेन है और इसका इस्तेमाल पुतिन के लिए ही किया जाता है। वैसे ही क्रेमलिन का 12वीं शताब्दी का एक समृद्ध इतिहास है और यह रूसी राजनीतिक शक्ति और विरासत का प्रतीक है।

क्रेमलिन का इस्तेमाल स्टेट इवेंट, आधिकारिक बैठक और प्रशासनिक कामों के लिए किया जाता है। वहीं, इसे राष्ट्रपति के लिए एक निजी विश्राम स्थल के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है।

रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी, चुरुवा हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चन

रायबरेली ।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे, जहां वह पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

राहुल गांधी मंगलवार को मणिपुर की राजधानी इम्फाल से विमान के जरिये यहां पहुंचे और लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर उतरे। यहां से वह सड़क मार्ग से रायबरेली के लिए रवाना हुए। रास्ते में राहुल गांधी ने रायबरेली के बछरावां के करीब चुरुवा हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जननायक राहुल गांधी ने रायबरेली स्थित चुरवा हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन कर भगवान श्री हनुमान जी से देश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।''

एक अन्य पोस्ट में कहा गया, ''आज नेता विपक्ष राहुल गांधी रायबरेली, उत्तर प्रदेश में शहीद कैप्टन अंशुमन सिंह के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही वे भूएमऊ गेस्ट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मिलेंगे।''

कठुआ की घटना दुखद, आतंकवाद से निपटने कड़े कदम उठाए सरकार: गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सोमवार को आतंकियों ने भारतीय सेना की गाड़ी पर कर दिया। इस हमले में सेना के चार जवान शहीद हो गए, जबकि छह घायल हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की है। रविंद्र शर्मा ने कहा कि यह एक दुखद घटना है कि कठुआ इलाके में हमारे चार जवान शहीद हो गए और छह घायल है।

उन्होंने कहा कि सरकार आतंकवाद खत्म करने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन डोडा, राजौरी, कठुआ जैसे इलाके भी आतंकवाद से ग्रस्त होते जा रहे हैं। यह एक दुखद घटना है, सरकार को गंभीरता से देखना होगा। चुनाव के बाद अचानक इस तरह की स्थिति बनना चिंता का विषय है। सरकार को कठोर कदम उठाने होंगे। इस घटना पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चेयरमैन और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने ट्वीट करते हुए कहा कि कठुआ में सेना के वाहन पर आतंकी हमले में जवानों की शहादत और छह जवानों के घायल होने की खबर बेहद दुखद और निंदनीय है। जम्मू प्रांत में आतंकवाद का बढ़ना बेहद चिंताजनक है। हमारी संवेदनाएं घायल जवानों और उनके परिवारों के साथ हैं। सरकार को आतंकवाद से निपटने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए।

बता दें सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इलाके में सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। बीते दो माह में सेना के वाहन पर यह दूसरा आतंकी हमला है। अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर ग्रेनेड फेंके और इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। जब यह हमला हुआ तब सेना के जवान पेट्रोलिंग कर रहे थे।

राहुल गांधी के रायबरेली पहुंचने से पहले लगे पोस्टर की खूब हुई चर्चा

-पोस्टर में लिखा-आपको अमूल्य मत देने वाला हिंदू मतदाता क्या हिंसक है?

रायबरेली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। राहुल के दौरे से पहले रायबरेली में लगे पोस्टर चर्चा का विषय बन गए। रायबरेली में 'राहुल गांधी जवाब दो' के नाम से पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में उनके हिंदू हिंसक वाले बयान पर जवाब मांगा गया है। पोस्टर में राहुल गांधी से पूछा गया है कि आपको अपना अमूल्य मत देने वाला रायबरेली का हिंदू मतदाता हिंसक है क्या? आप किस धर्म के हो स्पष्ट करो? आप हिंदू धर्म को मानते हो या नहीं? माना जा रहा है कि हिंदू हिंसक वाले बयान से नाराज लोगों ने यह पोस्टर लगाए गए हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी सोमवार को ही रायबरेली पहुंचने वाले थे, लेकिन उनका दौरा निरस्त हो गया था। मंगलवार को राहुल गांधी लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और सड़क के रास्ते रायबरेली रवाना हुए। रायबरेली की सीमा में प्रवेश करने से पहले राहुल बदले अंदाज में नजर आए। उन्होंने गले में भगवा पंछा और माथे पर तिलक लगाकर चुरुवा हनुमान मंदिर में दर्शन किए और बजरंगबली का आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे भुयेमऊ सांसद आवास पहुंचे। यहां राहुल गांधी पार्टी कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, डॉक्टरों और वकीलों से संवाद करेंगे। राहुल गांधी शहीद अंशुमान सिंह की मां से भी मुलाकात करेंगे। अपने रायबरेली दौरे पर राहुल अधिकारियों से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र में चल रहे विकास परियोजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी रायबरेली एम्स भी जा सकते हैं।

किरोडी लाल मीणा को राज्यसभा में भेजकर दिल्ली लाएगी भाजपा

70 पार कर चुके नेताओं को राज्यपाल बनाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

राजस्थान भाजपा में चल रही उठापटक के बीच चर्चाएं हैं कि संगठन में अनुशासन को लेकर पार्टी हाईकमान कोई सख्त फैसला लेकर बड़बोले नेताओं को साइडलाइन कर सकता है। चर्चाएं हैं कि कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोडी लाल मीणा को राजस्थान से हटाकर दिल्ली में कोई जिम्मेदारी दी जा सकती है। दरअसल मंत्रिमंडल में शामिल कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के लिए मुश्किल बने हुए हैं। बता दें कि इस तरह का वाकया छत्तीसगढ़ में भी हुआ था, जब विष्णु देव साय मंत्रिमंडल में शामिल बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर से सांसद बनाकर दिल्ली की राजनीति में लाया गया। माना जा रहा है कि यही फॉर्मूला राजस्थान में भी अपनाया जा सकता है।

बता दें कि कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरल से लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद राजस्थान की राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। इस सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखकर चर्चाएं हैं कि किरोडी लाल को राज्यसभा भेजा जा सकता है। इस तरह की भी चर्चाएं हैं कि उन्हें राज्यपाल भी बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि कई राज्यों के राज्यपाल अपना निर्धारित कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। इसतरह राजस्थान के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी विभिन्न पदों पर समायोजित करने की चर्चाएं चल रही हैं। खासतौर पर 70 पार कर चुके नेताओं को भाजपा संगठन में महत्वपूर्ण पद दिये जाने की राजनीतिक चर्चाएं आम हैं। 70 पार कर चुके नेताओं में किरोडी लाल मीणा, ओम माथुर, वसुंधरा राजे, घनश्याम तिवाड़ी और देवी सिंह भाटी जैसे बड़े और महत्वपूर्ण नाम हैं। राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ को भी कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है। चर्चा हैं कि उन्हें सवाई माधोपुर में होने वाला विधानसभा उपचुनाव लड़वाया जा सकता है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में राजस्थान भाजपा की राजनीति क्या करवट लेती है।

ब्ल्यू इकोनॉमी में गुजरात का बड़ा योगदान, समुद्री मछली उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

गांधीनगर . (एजेंसी)

मत्स्य पालन और जलीय कृषि व्यवसाय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सहयोग एवं समर्थन प्रदर्शित करने के लिए भारत में हर वर्ष 10 जुलाई को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में 10 जुलाई को आणंद और 11 जुलाई को उकाई में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाएगा।

इसके अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में गुजरात सरकार की विभिन्न योजनाओं और मत्स्य पालन क्षेत्र से संबंधित आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि, ÷हम एक ऐसे भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी एक ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का माध्यम बनेगी।÷ गुजरात में देश की सबसे लंबी 1600 किमी की तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक उपायों और नीतियों को लागू किया है। इसके परिणामस्वरूप गुजरात आज समुद्री मछली उत्पादन में देशभर में दूसरे स्थान पर है।

पिछले 4 वर्षों में गुजरात में सालाना औसतन मत्स्य उत्पादन 8.38 लाख मीट्रिक टन

गुजरात जहां समुद्री मछली उत्पादन के मामले में देश में दूसरे स्थान पर काबिज है, वहीं अन्य सभी प्रकार के स्रोतों से होने वाले कुल मत्स्य उत्पादन में देश में पांचवें स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में कुल मस्त्स उत्पादन का आंकड़ा सालाना औसतन लगभग 8.38 लाख मीट्रिक टन रहा है।

राज्य में वर्ष 2022-23 में समुद्री मछली का उत्पादन 7,03,000 मीट्रिक टन और अंतर्देशीय मछली उत्पादन 1,94,422 मीट्रिक टन था। इस तरह, वर्ष 2022-23 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 8,97,422 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2023-24 में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,02,050 मीट्रिक टन, जबकि अंतर्देशीय मछली उत्पादन 2,13,140 मीट्रिक टन रहने की संभावना है। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,15,190 मीट्रिक टन रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात को 61 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी

मत्स्य उद्योग का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देशभर में 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके तहत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास को केंद्र में रखा गया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन मूल्य शृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है। इस योजना का उद्देश्य मूल्य शृंखला को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रैसेबिलिटी यानी पता लगाने की क्षमता को बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ ही मछुआरों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में कुल 286.53 करोड़ रुपए तथा 2023-24 में कुल 61.55 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इससे भी राज्य में मत्स्य पालन गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 1600 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक नई पहलें की हैं, जिसमें डीजल की वैटर दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा पालन के लिए जमीन आवंटन के अलावा सड़क एवं बिजली की सुविधाएं मुहैया कराना और मछुआरों के छोटे बंदरगाहों की ढांचागत सुविधाओं में वृद्धि आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावल-2 और सूत्रापाड़ा में चार नए मत्स्य बंदरगाह निर्माणाधीन हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने हेमंत सोरेन की जमानत को दी चुनौती, पहुंची सुप्रीम कोर्ट

रांची। झारखंड सीएम बनते ही हेमंत सोरेन की मुसीबत बढ़ गई है। ईडी ने हेमंत सोरेन को जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ईडी ने कहा कि हेमंत सोरेन को जमानत देने का फैसला अवैध था। हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। बता दें कि 28 जून को हेमंत सोरेन जमानत मिलने के बाद सेंट्रल जेल से बाहर आए। इसके बाद उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन और माता रूपी सोरेन से मुलाकात की। हेमंत सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि षड्यंत्र रचकर और झूठी कहानी बनाकर उन्हें पांच महीने तक जेल में रखा। अंततः कोर्ट के आदेश पर आज राज्य की जनता के बीच हूं। कोर्ट का जो आदेश आया है, वह देखने-समझने लायक है। हमने जिस लड़ाई का संकल्प लिया है, उसे मुकाम तक पहुंचाएंगे। जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को जमानत दी थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि कोर्ट के सामने अब तक जो तथ्य रखे गए हैं, उसमें यह मानने का कोई आधार नहीं है कि सोरेन मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी हैं। हाईकोर्ट का आदेश जारी होने के बाद रांची सिविल कोर्ट में उनके भाई बसंत सोरेन और कुमार सौरव ने 50-50 हजार रुपए के दो निजी मुचलके भरे। इसके बाद उन्हें छोड़ने का आदेश जेल भेज दिया। बता दें हेमंत सोरेन को ईडी ने जमीन घोटाले में 31 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्होंने ईडी की हिरासत में रात को ही राजभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। एक फरवरी को उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेजा गया था।

पंजाब के स्कूलों को जारी हुए मंथली टेस्ट के नए निर्देश

लुधियाना । स्टेट का काउंसिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा सैशन 2024- 25 के दौरान छठी से 12वीं कक्षा के बाय मंथली टैस्ट 1 के आयोजन के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। इस संबंध में विभाग द्वारा जारी एक पत्र में कहा है कि सैशन 2024- 25 के लिए हर राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में छठी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बाय मंथली टैस्ट एक दिनांक 10 से 20 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए स्कूल प्रमुख अपने स्तर पर डेट शीट तैयार करते हुए छठी से 12वीं कक्षा (सभी स्ट्रीम) के यह टैस्ट करवाएंगे। 9वीं से 12वीं कक्षा का बाय मंथली टैस्ट अप्रैल और मई के सिलेबस में से लिया जाएगा। छठी से 8वीं कक्षा का केवल पंजाबी, अंग्रेजी और गणित विषय का बाय मंथली टैस्ट बाद में मिशन समर्थ की ऑनलाइन टेस्टिंग के साथ मिशन समर्थ के तहत करवाएंगे सिलेबस में से लिया जाएगा। जबकि छठी से आठवीं कक्षा के अन्य विषयों का बाय मंथली टैस्ट 1 अप्रैल और मई के सिलेबस में से लिया जाएगा। इस टैस्ट के लिए प्रश्न पत्र स्कूल प्रमुख संबंधित विषय अध्यापक से तैयार करवाएंगे, यह टैस्ट कुल 20 अंक का होगा और अध्यापक द्वारा टैस्ट अपने पीरियड में ही लिया जाएगा। विभाग द्वारा स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि यह ध्यान रखा जाए की 8वीं छठी से आठवीं कक्षा का कोई भी बाय मंथली टैस्ट मिशन समर्थ के लिए दिए पीरियड पीरियड में न लिया जाए। बाय मंथली टैस्ट की उत्तर पुस्तिका को चैक करने और के उपरांत इसका पूरा रिकॉर्ड विषय वाइज, कक्षा वाइज और विद्यार्थी वाइज स्कूल स्तर पर रखा जाएगा। स्कूल प्रमुख द्वारा इस टैस्ट का परिणाम टैस्ट मुकम्मल होने के 10 दिन के अंदर अंदर तैयार करवाया जाएगा।

अजित पवार खेमे को कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार पर भरोसा, सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र में आगामी विधान परिषद और फिर तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सोमवार को बजट सत्र के बीच अजित पवार खेमे ने सभी विधायकों की मौजूदगी में एक बैठक की और चुनाव पर चर्चा की। दिलचस्प बात यह है कि अजित पवार खेमे ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नरेश अरोड़ा को चुनावी रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया है। नरेश अरोड़ा पॉलिटिकल कैंपेन मैनेजमेंट कंपनी के को-फाउंडर भी हैं। उन्होंने राजस्थान और कर्नाटक समेत कई राज्यों में कांग्रेस के इलेक्शन कैंपेन का मैनेजमेंट किया है। बैठक में नरेश अरोड़ा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की ब्रांडिंग और रणनीतियों के बारे में प्रजेंटेशन दिया और अजित खेमे के विधायकों को संबोधित किया।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने वित्त मंत्री अजित पवार द्वारा प्रस्तुत बजट में सरकार द्वारा घोषित सभी लोकप्रिय योजनाओं का प्रचार करने की रणनीति बनाई है और वोटर्स तक पहुंचने के लिए 90 दिन की योजना बनाई है. संगठन ने तय किया है कि अजित पवार को पार्टी के नेता के रूप में ब्रांडिंग और मेक-ओवर पर भी काम किया जाएगा, जिसमें प्रशासन पर उनकी पकड़, अपने शब्दों पर कायम रहना, अपने सभी वादों को पूरा करना, पार्टी कैडर के लिए उपलब्ध रहना और पार्टी के लिए काम करना जैसी उनकी खूबियों के बारे में बताया जाएगा।

288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी दोनों गुटों के 53 विधायक हैं। जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बगावत की और एनडीए सरकार में शामिल हो गए थे। अजित के साथ 8 विधायकों ने मंत्रिपद की शपथ ली थी। अजित कैंप का दावा है कि उनके पास 41 विधायकों का समर्थन है। जबकि शरद पवार गुट को 12 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।बता दें कि अजित पवार की एनसीपी महाराष्ट्र में एनडीए सरकार का हिस्सा है। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं. जबकि बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी प्रमुख अजित पवार डिप्टी सीएम हैं। फडणवीस के पास गृह मंत्रालय और अजित के पास वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी है।

हाथरस मामला- एसआईटी ने सरकार को सौंपी 855 पेज की रिपोर्ट

132 लोगों के बयान दर्ज, कई अधिकारियों की गिर सकती है गाज

लखनऊ। (एजेंसी)

हाथरस सत्संग में मची भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने यूपी सरकार को 855 पेज की रिपोर्ट सौप दी है। इसमें 132 लोगों के बयान दर्ज हैं। विशेष एसआईटी ने इस मामले में लोगों से पूछताछ की और 132 लोगों के बयान दर्ज किए। रिपोर्ट के बाद अब कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। शासन स्तर पर अध्ययन करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि जांच रिपोर्ट को आज सीएम योगी के सामने पेश किया जा सकता है. साथ ही कहा जा रहा है कि रिपोर्ट के परीक्षण के बाद दोषी पाए गए अफसर और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक क्राउड मैनेजमेंट का पर्याप्त इंतजाम न होने से स्थानीय प्रशासन पर गाज गिर सकती है। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने आयोजकों को हादसे का दोषी पाया है। साथ ही जांच रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है।

सूचना निदेशक शिशिर ने कहा कि एसआईटी ने यूपी सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। हालांकि, उन्होंने रिपोर्ट के बारे में विस्तार से जानकारी नही दी। एसआईटी में आगरा जोन की अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ मंडल आयुक्त शामिल थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईपीएस हेमंत राव और सेवानिवृत्त आईपीएस भवेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक अलग न्यायिक आयोग भी हाथरस मामले की जांच कर रहा है। बता दें हाथरस के सिकंदराराऊ इलाके में गत दो जुलाई को सत्संग के दौरान बाबा हरि नारायण साकार विश्व हरि उर्फ 'भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे।

ट्रक-बस में टक्कर, 5 की मौत 11 घायल

वहीं यूपी के अमेठी में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां पर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से बिहार के सिवान जा रही प्राइवेट बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में बस में सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुंछ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय जवानों ने की फायरिंग

जम्मू। (एजेंसी)

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर पाकिस्तानी ड्रोन एलओसी के पास उड़ता दिखाई दिया। इस पर भारतीय सैनिकों ने फायर भी किए,लेकिन कुछ ही देर बाद ड्रोन पाकिस्तान की सीमा में वापस लौट गया। सेना के जवानों ने सुबह होते ही अग्रिम गांवों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए जाएं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए उड़ाए गए ड्रोन के बारे में सूचना देने वाले को 3 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है, जिससे सामग्री बरामद हो सके।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार की घटना के सबंध में अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सोमवार देर रात भारतीय क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान लौट गया। नियंत्रण रेखा की रखवाली कर रहे भारतीय जवानों ने रात करीब 9.15 बजे 1,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर एक पाकिस्तानी ड्रोन की हरकत देखी। उसे गिराने के लिए अगले 10 मिनट में पांच राउंड फायरिंग की, लेकिन वह वापस लौटने में कामयाब रहा। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आधे घंटे से अधिक समय के बाद, एक पाकिस्तानी ड्रोन को फिर से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा गया और उस पर दो और राउंड फायरिंग की गई, जिसके बाद वह दूसरी तरफ लौट गया।

योगी सरकार के लिए चुनौतीः अपनी ही सरकार पर निशाना साध रहे राजभर और अनुप्रिया

लखनऊ ।(एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही है। पिछले दिनों भाजपा के सहयोगी दलों अपना दल, निषाद पार्टी और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा ने कुछ ऐसे बयान दिए थे, जिससे योगी सरकार के लिए मुश्किलें दिखीं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव में 33 सीटें ही मिल पाईं।

इस तरह 2019 के 62 के मुकाबले पार्टी को 29 सीटें कम मिली हैं। इसके बाद से ही मंथन का दौर जारी है। यही नहीं लोकसभा चुनाव के बाद कुछ घटनाक्रम ऐसे रहे हैं, जिसके चलते योगी सरकार की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं। यह बात हाईकमान तक भी पहुंचाई गई है।

नेताओं के बयान ऐसे हैं कि अब भाजपा प्रवक्ताओं को जवाब देना मुश्किल हो रहा है। तीन नेताओं ने जो मुद्दे उठा दिए हैं, उन पर मीडिया में सवाल किए जाते हैं। इनके जवाब देना मुश्किल होता है। यह जानकारी प्रवक्ताओं ने संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मीटिंग में दी है।

वह दो दिनों के यूपी दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने राज्य में कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। कन्नौज के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो साफ कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के आरोपों ने भी नुकसान पहुंचाया है। वहीं पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा ने कहा कि सलेमपुर से वह इसलिए हारे क्योंकि कुछ नेता ही उनके विरोध में थे। अपना दल की अनुप्रिया पटेल ने तो सीधे सीएम योगी को पत्र लिखा था और कहा कि राज्य सरकार की नौकरियों में ओबीसी वर्ग के छात्रों का चयन नहीं हो पा रहा है। उनकी शिकायत थी कि इंटरव्यू में उन्हें पास नहीं किया जा रहा। इसके अलावा उन्होंने 69,000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में भी ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ गड़बड़ी का आरोप लगाया था। अनुप्रिया ने अपने पिता स्वर्गीय सोनेलाल पटेल की जयंती पर योगी सरकार पर यह आरोप लगाया था। उनका ऐसा कहना इसलिए भी चुभने वाला था क्योंकि अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने भी चुनाव प्रचार में लगातार संविधान बदलने की बात कही थी। इसके अलावा आरक्षण छिनने का डर दिखाया था। अनुप्रिया पटेल का कहना था कि यह मसला मैंने पहले भी उठाया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

5,433 यात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

-अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के कर चुके हैं दर्शन

जम्मू।

अमरनाथ यात्रा में अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 5,433 यात्रियों का एक और जत्था रवाना किया गया। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि पिछले दस दिनों में दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की है। आधार शिविर भगवती नगर जम्मू से 5,433 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ। 89 वाहनों में 1,971 यात्रियों को लेकर पहला काफिला मंगलवार सुबह 3:13 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि 124 वाहनों में 3,462 यात्रियों को लेकर दूसरा सुरक्षा काफिला मंगलवार को सुबह 4:03 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दिन में हल्की बारिश की संभावना का अनुमान है। तीर्थयात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर लंबे छोटे बालटाल गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से जाने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में वापस आ जाते हैं। इस साल 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों, दो आधार शिविरों और गुफा मंदिर पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारु और दुर्घटना मुक्त कर सके।

वाहन खाई में गिरा, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

जम्मू । उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के राजवार गांव में एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गुलाम रसूल भट, ताहिर अहमद भट, रिफत आरा और शबनम आरा के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया। हादसे की जानकारी देते एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब परिवार के सदस्य पास के नाले से पानी लाने के लिए वाहन में सवार होकर जा रहे थे। इस दौरान वाहन गहरी खाई में गिर गया। इसके तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। कार में सवार सभी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में लंबे समय से पानी की समस्या है और मृतक अपने लिए पानी लाने के लिए बाहर गए थे। उन्होंने कहा कि अगर पानी की सुविधा होती तो यह घटना नहीं होती। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।

खुद को किसान हितैषी बताकर चुनाव जीते, जब मांगों का पुलिंदा थमाया तो काटने लगे कन्नी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पानी पी-पीकर एनडीए सरकार को कोसने वाले कई नेताओं ने किसानों के प्रति सहानुभूति दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी सरकार को किसान विरोधी बताकर खुद को किसान हितैषी साबित करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी। नजीता ये हुआ कि किसानों ने भरोसा करके उन्हें वोट दिया और सांसद बना दिया। अब लोकसभा का बजट सत्र 22 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। किसान नेता विपक्षी दलों के सांसद पर दबाव बना रहे हैं कि वे प्राईवेट बिल लाकर किसानों को एमएसपी की गारंटी सुनिश्चित कराएं। यही नहीं कई मांगों की सूची लेकर किसान संगठनों के नेता विपक्षी दलों से मुलाकात कर अपनी बात रख रहे हैं। ऐसे में बताया गया है कि माननीय अब कन्नी काटने की कोशिश करते बताए जा रहे हैं।

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट सत्र से पहले किसान संगठनों ने विपक्षी सांसदों से गुहार लगाई है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों ने इंडिया गठबंधन के सांसदों से कहा है कि वे संसद में एमएसपी की गारंटी को लेकर प्राइवेट बिल लेकर आएं। बता दें कि 22 जुलाई से बजट सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले दो किसान संगठनों संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के किसान नेताओं ने विपक्षी सांसदों से मिलना शुरू कर दिया है। किसान संगठनों ने अपनी मांगों की एक लिस्ट तैयार की है। किसान संगठनों ने विपक्षी सांसदों से मिलने की शुरुआत उन्हीं राज्यों से की है जहां उनकी पकड़ ज्यादा है। इनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं।

बता दें कि शुक्रवार को होने वाले लोकसभा के सत्र के दोपहर के बाद का समय प्राइवेट मेंबर बिल के लिए आरक्षित किया गया है। किसान संगठनों ने कहा कि इस बार सरकार को एमएसपी की गारंटी के लिए स्पेशल बजट का ऐलान करना चाहिए और किसानों की कर्जमाफी का ऐलान भी बजट में करना चाहिए। बता दें कि चुनाव के पहले से ही किसान संगठन एमएसपी की गारंटी, किसान आंदोलन में शामिल लोगों से केस हटाने समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब और हरियाणा की सीमा पर कुछ किसानों ने अब भी डेरा डाल रखा है। प्राइवेट मेंबर बिल का उद्देश्य सरकार का ध्यान उन मुद्दों की तरफ खींचना होता है जिन्हें विपक्ष अहम मानता है। इसके जरिए विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका मिलता है। अब तक 14 प्राइवेट मेंबर बिल कानून भी बन चुके हैं। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, हमारे प्रतिनिधि अलग-अलग राज्यों में जाकर विपक्षी सांसदों से मुलाकात कर रहे हैं। हमारी कुछ मांगों को उन्होंने अपने घोषणापत्र में भी शामिल किया था।

दलालों का खौफनाक खेल, 8 लाख रुपए में बेच रहे नवजात

- बच्चों की डिलीवरी दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और मध्यप्रदेश तक हो रही

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान में दलालों का एक संगठित गिरोह आदिवासी परिवारों से नवजात बच्चों को 20-40 हजार रुपये में खरीदकर निसंतान जोड़ों को 8 लाख रुपये तक में बेच रहा है। इन बच्चों की डिलीवरी दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और मध्यप्रदेश तक हो रही है। तकरीबन डेढ़ साल की पड़ताल में इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ है। कई लोगों ने दलालों से संपर्क किया, जिसमें 25 दिन के नवजात के लिए 8 लाख रुपये मांगे। सौदा 6 लाख रुपये में तय हुआ और वाट्सएप पर बच्चे का वीडियो भेजा गया। देखने की इच्छा जताने पर दिल्ली के दलाल ने 20 हजार रुपये मांगे। उदयपुर की दलाल ने गुलाबबाग में बच्चे को खरीदार के हाथों में सौंप दिया। गैंग में आईवीएफ सेंटर में काम करने वाली लड़कियां भी शामिल हैं, जो निसंतान जोड़ों से संपर्क करती हैं और बच्चों की डिलीवरी का भी प्रबंध करती हैं। अन्य दलाल गरीबों को नवजात बच्चों को बेचने के लिए प्रलोभन देकर फांसता है। उसके आदमी राजकुमारी को बच्चे देकर जाते हैं। एक दलाल नोएडा में रहता है और दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और कर्नाटक के अस्पतालों से संपर्क में है। जब बच्चे की डिमांड आती है, तो वह आईवीएफ सेंटर में दलाल के जरिए बच्चे की डिलीवरी करवाता है। किसी का बच्चा आपसी सहमति पर भी नहीं रखा जा सकता। इस घिनौने खेल से आदिवासी परिवारों की मजबूरी और दलालों की क्रूरता सामने आती है। सरकार और समाज को इस समस्या के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है ताकि इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

उड़ान भरते ही निकल गया बोइंग विमान का पहिया, अटक गई सैकड़ों यात्रियों की जान

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। बोइंग विमान ने एक बार फिर सैकड़ों यात्रियों की जान को खतरे में डाल दिया। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में यूनाइटेड एयरलाइंस के बोइंग जेट विमान का पहिया सोमवार को उड़ान भरते समय निकल गया। हालांकि, बाद में विमान को डेनवर में सुरक्षित उतार लिया गया। विमानन कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बयान के मुताबिक, लॉस एंजिलिस में विमान का पहिया बरामद कर लिया गया है। हम घटना के पीछे की वजहों की जांच कर रहे हैं। घटना के समय बोइंग 757-200 विमान में 174 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। इससे पहले, सात मार्च को सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने वाले यूनाइटेड एयरलाइन के बोइंग बी777-200 जेट विमान का पहिया बीच हवा में टूटकर गिर गया था। घटना के कारण विमान हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र में एक कार के ऊपर जा गिरा था। हालांकि, इससे कोई घायल नहीं हुआ था।

अब बेफिक्र होकर खाइए टिड्डे, झींगुर जैसे 16 कीड़े; सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने इन्हें बताया सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। झींगुर, टिड्डा और पतंगा प्रजाति इन्सान के खाने योग्य हैं। यह बात सिंगापुर के खाद्य नियामक सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कही है। एसएफए ने सोमवार को इन कीटों की 16 प्रजातियां को इंसानी खानपान के लिए मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही ये कीड़े बहुजातीय संपन्न द्वीप देश और नगर-राज्य सिंगापुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी और भारतीय व्यंजनों सहित वैश्विक खाद्य पदार्थों के मशहूर मेन्यू में शामिल हो गए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, एसएफए के इस एलान का खानपान के कारोबार से जुड़े लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये कारोबारी चीन, थाईलैंड और वियतनाम में पैदा होने वाले इन कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान की व्यवस्था करते हैं। दो साल हुआ कीड़ों की प्रजातियों पर मशवरा मंजूरी दिए गए कीटों में झींगुर, टिड्डे, पतंगे, मिल वॉर्म्स और रेशम के कीड़ों की प्रजातियां शामिल हैं। इनका इस्तेमाल करने का इरादा रखने वाले कारोबारियों को बस एसएफए के जरूरी दिशा-निर्देश मानने होंगे। एसएफए ने अक्तूबर 2022 में कीड़ों की 16 प्रजातियों को उपभोग के लिए मंजूरी देने की संभावना पर सार्वजनिक तौर पर सलाह-मशवरा शुरू किया था। इसके बाद उसने कहा था कि वह अप्रैल 2023 की दूसरी छमाही में इन प्रजातियों को उपभोग के लिए हरी झंडी देगा। फिर सीमा 2024 तक बढ़ा दी।

ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने हिज्बुल्ला के प्रति समर्थन दोहराया, इस्राइल की आलोचना की

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने एक बार फिर से लेबनान के हिज्बुल्ला समूह के लिए इस्लामी गणतंत्र के समर्थन की बात को दोहराया है और साथ ही फलस्तीनियों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई की निंदा की। हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के लिए जारी किया गया बयान इरानी राष्ट्रपति का पहली विदेश नीति टिप्पणियों में से एक था। इस्राइल के बेरूत पर कब्जा करने के बाद बनाया गया था हिजबुल्लाह समूह ईरान हिजबुल्ला को वित्तीय और सैन्य सहायता प्रदान करता है, जिसे लेबनान के गृह युद्ध के दौरान 1982 में कट्टर दुश्मन इस्राइल द्वारा बेरूत पर कब्जा करने के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्डस की पहल पर बनाया गया था। इब्राहिम रईसी की मौत के बाद राष्ट्रपति बने पेजेशकियान ईरान में 19 मई को हेलिकॉप्टर हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद हुए दूसरे चरण के चुनाव में सुधारवादी नेता और देश में हिजाब के सख्त कानून में कुछ ढील देने के पक्षधर मसूद पेजेशकियान (69) ने जीत दर्ज की है। वह प्रतिद्वंद्वी कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराकर विजेता घोषित किए गए। पेजेशकियन को 1.63 करोड़ वोट मिले जबकि जलीली को 1.35 करोड़ मत मिले। मसूद को मिले एक करोड़ 63 लाख वोटों में से 50 फीसदी 30 साल से कम उम्र वालों के हैं। पीएम मोदी ने दी थी बधाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मसूद पेजेशकियन को ईरान का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी थी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे गर्मजोशी भरे और दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं। कट्टर विचारधारा के खिलाफ हैं नए राष्ट्रपति पेजेशकियान मसूद पजेशकियान ने चुनाव से पहले भी राजनीतिक भाषणों के दौरान कई बार हिजाब की खिलाफत की थी। उन्होंने कई बार कहा है कि वो किसी प्रकार के कट्टरपंथ के खिलाफ हैं, जो संस्कृति के नाम पर बने कानूनों पर सख्ती के साथ पेश आती है। इसी कानून में हिजाब की अनिवार्यता भी आती है, जो 1979 में इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान में लागू हुआ। पेजेशकियन ने कहा, वह इस कानून की सख्ती के खिलाफ हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, गाजा के 90 प्रतिशत लोग हो चुके हैं विस्थापित

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि गाजा के 90 प्रतिशत लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं, कुछ लोग तो कई बार विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने सोमवार को कहा कि इजरायली सेना ने रविवार और सोमवार को गाजा में 19 ब्लॉकों में रहने वाले हजारों लोगों को तुरंत खाली करने का निर्देश दिया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, रविवार को कुछ लोगों को पश्चिमी गाजा शहर में खाली करने का आदेश दिया गया था, जबकि सोमवार को डेर अल बलाह शिविर को खाली करने का निर्देश दिया गया। इसने कहा, सीधे तौर पर प्रभावित दो क्षेत्रों में 13 स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं, जो हाल ही में चालू हुई थीं, जिनमें दो अस्पताल, दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और नौ चिकित्सा केंद्र शामिल हैं। गाजा पट्टी में 36 में से 13 अस्पताल केवल आंशिक रूप से चालू हैं।

कार्यालय ने कहा कि गाजा में हर 10 में से नौ लोगों के विस्थापित होने का अनुमान है, विस्थापन की नई लहरें मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित कर रही हैं, जो पहले भी कई बार विस्थापित हो चुके हैं, लेकिन फिर से उन्हें भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्हें बार-बार अपना जीवन फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। गाजा में लोग, खासकर बच्चे, हर दिन पानी इकट्ठा करने के लिए घंटों कतार में खड़े रहते हैं।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच भी एक बड़ी चुनौती है।

उत्तरी गाजा में, आंतरिक रूप से विस्थापित 80,000 लोगों के लिए कोई शिविर नहीं है, इन्हें जून के अंत में यहां आने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई लोग ठोस कचरे और मलबे के बीच सोते हुए पाए गए, उनके पास गद्दे या कपड़े भी नहीं थे, और कुछ ने आंशिक रूप से नष्ट हो चुकी संयुक्त राष्ट्र सुविधाओं और आवासीय भवनों में आश्रय लिया था। मानवीय मामलों के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने इन क्षेत्रों को निकासी क्षेत्र के रूप में नामित किया, जिससे पिछले दो हफ्तों में छोटे बच्चों और बुजुर्गों सहित कई परिवारों को विस्थापन की लहरों से गुजरना पड़ा। यहां मानवीय कार्यों को जारी रखने के लिए ईंधन और दूसरी चीजों की गंभीर कमी हो गई है, साथ ही गर्मी के कारण आपूर्ति (विशेष रूप से भोजन) के खराब होने और संक्रमण का जोखिम भी बढ़ गया है।

गाजा में 18 बेकरी में से केवल सात ही चालू हैं, सभी देर अल बलाह में हैं, और पहले से ही आंशिक क्षमता पर काम कर रही छह बेकरी को अब ईंधन की कमी के कारण पूरी तरह से बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कार्यालय ने कहा कि खाना पकाने की गैस और खाद्य आपूर्ति की कमी के चलते सामुदायिक रसोई भी काम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यहां पका हुआ भोजन मिलना मुश्किल हो गया है।

विस्थापित परिवार खाना पकाने के लिए फर्नीचर और कचरे से लकड़ी और प्लास्टिक जलाने पर निर्भर हैं, जिससे स्वास्थ्य जोखिम और पर्यावरणीय खतरे बढ़ रहे हैं। खाना पकाने के लिए, मानवीय एजेंसी ने कहा कि वे गेहूं का आटा और डिब्बाबंद भोजन वितरित कर रहे हैं लेकिन ऐरेज वेस्ट क्रॉसिंग बंद होने से अब इसमें भी बाधा आ रही है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन और संयुक्त राष्ट्र उपग्रह केंद्र द्वारा किए गए एक संयुक्त आकलन में अनुमान लगाया गया है कि गाजा की लगभग 57 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि और उसके एक तिहाई ग्रीनहाउस क्षतिग्रस्त हो गए हैं। स्थानीय बाजार में मांस और मुर्गी जैसे भोजन की भी भारी कमी है, स्थानीय रूप से उत्पादित कुछ सब्जियां ही सस्ती कीमतों पर उपलब्ध हैं।

'आलोचना के बावजूद मैं दृढ़ता से खड़ा हूं', बाइडन ने कहा- आखिरी तक चुनावी जंग लड़ूंगा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि तमाम विरोध के बावजूद वह नवंबर में चुनाव खत्म होने तक टिके रहेंगे। वह अपनी मानसिक फिटनेस के बारे में बढ़ती चिंताओं के बावजूद चुनावी यात्रा को जारी रखेंगे। यह बात बाइडन ने पत्र लिखकर अपने कांग्रेस के डेमोक्रेटों से कही है। बाइडन ने अपने पत्र में कहा कि अगर मुझे लगता कि मैं डोनाल्ड ट्रंप को नहीं हरा सकता हूं तो मैं दोबारा चुनाव नहीं लड़ता। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि मीडिया और अन्य जगहों पर तमाम अटकलों के बावजूद, मैं इस दौड़ में बने रहने, इस दौड़ को अंत तक चलाने और डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हूं। इसके अलावा बाइडन ने यह भी कहा, हमारे पास डेमोक्रेटिक सम्मेलन के लिए 42 दिन और आम चुनाव के लिए 119 दिन बाकी हैं। ये सभी बातें बाइडन ने अपने पुनर्निर्वाचन अभियान द्वारा वितरित पत्र में कही हैं। बाइडन ने अपने पत्र में आगामी चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी पार्टी के बीच एकता का आह्वान किया। बढ़ती उम्र को लेकर उठ रहे हैं सवाल अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चार महीने का ही समय बाकी है, लेकिन डेमोक्रेट पार्टी अपने उम्मीदवार को लेकर दुविधा में है। दरअसल पार्टी में जो बाइडन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के खिलाफ उठे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालांकि बाइडन ने साफ किया है कि वही रेस में हैं, लेकिन अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी के भीतर जो बाइडन के विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। खासकर बीते दिनों अटलांटा में हुई पहली बहस के बाद तो बाइडन की बढ़ती उम्र की चर्चा फिर से तेज हो गई है। कई दानदाताओं ने दी फंडिंग रोकने की धमकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी के कई प्रमुख दानदाताओं ने धमकी दी है कि अगर जो बाइडन राष्ट्रपति पद की रेस में बने रहे तो वे फंडिंग रोक देंगे। डेमोक्रेट पार्टी के एक नेता एंजी क्रेग ने कहा है कि मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति प्रभावी ढंग से चुनाव प्रचार कर सकते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जीत सकते हैं। सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज ने रविवार को डेमोक्रेट प्रतिनिधियों की एक वर्चुअल बैठक निर्धारित की है।

क्या पार्किंसंस का इलाज करा रहे जो बाइडन? अमेरिकी राष्ट्रपति से जुड़े सवाल पर भड़की व्हाइट हाउस प्रवक्ता

वाशिंगटन, एजेंसी। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का पार्किंसंस का इलाज चल रहा है। इसको लेकर व्हाइट हाउस की तरफ से जवाब आया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पिछले साल अगस्त से मार्च के बीच एक पार्किंसंस स्पेशलिस्ट कम से कम से कम आठ बार व्हाइट हाउस गया है। उसने यह खबर विजिटर्स लॉग के हवाले से छापी है। अब इसी को लेकर व्हाइट हाउस की तरफ से जवाब आया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की तबियत इन दिनों सुर्खियों में है। हाल के दिनों में उनकी हरकतें काफी अजीब रही हैं। इसको लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी हैं। बीमारी के चलते उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठने लगा है। इसको लेकर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे से सवाल पूछा गया था। इस सवाल के जवाब में तीन पियरे ने भड़कते हुए कहा, नहीं, क्या उनका पार्किंसंस का इलाज चल रहा है? नहीं, बिल्कुल भी नहीं। कुछ डेमोक्रेट लगातार जो बाइडन पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि बाइडन पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का सामना करने के लिए ठीक नहीं हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर केविन केनार्ड अगस्त से मार्च के बीच कई बार व्हाइट हाउस गए हैं।

रूस ने यूक्रेन पर दाग दीं ताबड़तोड़ 40 से ज्यादा मिसाइलें, बच्चों का अस्पताल तबाह, 31 की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस ने बीते चार महीने में यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है। रूस के ताबड़तोड़ मिसाइल अटैक से यूक्रेन में 31 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। रूस ने बच्चों के एक अस्पताल पर भी हमला किया है जिसकी इमारत को काफी नुकसान पहुंचा है। अलग-अलग जगहों पर किए गए हमले में कम से कम 154 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक बयान में कहा कि रूसी बमबारी ने पांच यूक्रेनी शहरों को विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे रिहाइशी इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए। क्रीवी रीह में नगर प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने कहा कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया मिसाइल हमला था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी और 47 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यूक्रेन के मध्य दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी विस्फोट की सूचना दी है। अधिकारियों ने बताया कि राहतकर्मी कीव के ओखमाटिडट बाल अस्पताल की आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से लोगों की तलाश में जुटे हैं। मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों के अस्पताल की दो मंजिला इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई। अस्पताल की मुख्य 10 मंजिला इमारत की खिड़कियां और दरवाजे उखड़ गए और दीवारें काली पड़ गयीं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, %यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया अब इस बारे में चुप न रहे और सभी को यह देखना चाहिए कि रूस क्या कर रहा है। यह हमला अमेरिका में तीन दिवसीय नाटो शिखर

सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुआ है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि किस प्रकार यूक्रेन को गठबंधन के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाया जाए तथा यूक्रेनवासियों को यह आशा प्रदान की जाए कि उनका देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से उबर सकता है। यह पिछले कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक मिसाइल शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है। यह ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। विस्फोटों से शहर की इमारतें हिल गईं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने कहा कि उसे घटनास्थल पर रूसी केएच-101 क्रूज मिसाइल का मलबा मिला है और उसने युद्ध अपराध के आरोपों पर कार्यवाही शुरू कर दी है। यूक्रेन ने कहा कि उसने सोमवार को दागी गई 13 एच-101 मिसाइलों में से 11 को नष्ट कर दिया। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो दिन के रूस के दौरे पर हैं।

मंगल ग्रह पर एक साल बिताया, सही-सलामत लौटे नासा के चार वैज्ञानिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के चार वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर एक साल बिताकर वापस लौट आए हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि मंगल ग्रह पर तो आज तक कोई व्यक्ति नहीं जा पाया है तो आखिर नासा ने अपने अंतरिक्षयात्री कब भेज दिए। दरअसल नासा मंगल पर इंसान भेजने के प्रयास में लगा है। इसीलिए वह पता लगाना चाहता था कि किसी इंसान को मंगल पर क्या मुश्किलें पेश आएंगी। इसीलिए 3डी प्रिंटर की मदद से मंगल ग्रह जैसे माहौल वाला एक बंद इलाका बनाया गया और इसमें चार लोगों को भेज दिया गया। 378 दिन यानी एक साल से ज्यादा वक्त गुजारने के बाद जब वे बाहर निकले तो नासा के लोगो ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस एक साल के दौरान किए गए अध्ययन में कई नई बातों का भी पता चला। 1700 वर्ग फीट का मंगल ग्रह ह्यूस्टन के स्पेस सेंटर में 1700 वर्ग फीट का एक स्पेशल घर बनाया गया था। इसमें एक मिशन स्पेशलिस्ट, दो अन्य प्रोफेशनल और एक मेडिकल ऑफिसर को भेजा गया। एक साल के दौरान उन लोगों ने उसी घर में सब्जियां

उगाईं, खाना बनाया, एक्सरसाइज किया, यान के मेंटिनेंस का काम किया और कई वैज्ञानिक प्रयोग भी किए। नासा यह प्रयोग करके पता लगाना चाहता था कि आखिर मंगल पर इंसान को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मिशन का नाम क्रू हेल्थ ऐंड पर्फॉर्मेंस एक्सप्लोरेशन एनालाग दिया गया था। इस दौरान वैज्ञानिकों को वैसे ही माहौल में रखा गया जैसा कि मंगल ग्रह पर होता है। पूरे एक साल वे किसी से मिल नहीं पाए। इसके अलावा उनके पास जिस सामग्री की व्यवस्था पहले कर दी गई थी वही उपलब्ध थी। इन 378 दिनों में उन्हें कई तरह की समस्याओं को सामना करना पड़ा। वहीं उन्होंने मार्सवॉक भी किया। सीमित संसाधनों में जीवन जीने के साथ ही अगर उस आर्टिफिशियल प्लैनेट में कोई चीज खराब हो जाती थी तो उसे खुद ही ठीक करना होता था। इसके अलावा टीम ने वहीं पर खेती भी की। इस दौरान अध्ययन किया गया।

शाही महल को ही किराये पर देगा सऊदी अरब, तेल के संकट से उबरने की नई कोशिश

रियाद, एजेंसी। कच्चे तेल की सप्लाई से अर्थव्यवस्था को चलाने वाले सऊदी अरब के आगे संकट खड़ा है। दुनिया भर में जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों का विकल्प बढ़ रहा है, उससे कच्चे तेल की डिमांड में कमी आ सकती है। ऐसी स्थिति सऊदी अरब, कुवैत, कतर जैसे देशों के लिए चिंता की बात है। सऊदी अरब ने तो इसकी काट भी खोजना शुरू कर दिया है और उस पर तेजी से काम भी कर रहा है। इसके तहत उसने खेल के आयोजनों को बढ़ावा दिया है तो वहीं मनोरंजन के कार्यक्रम भी करा रहा है। यही नहीं पर्यटन को भी सऊदी अरब बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। अब पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से सऊदी अरब अपने शासक रहे सऊद बिल अब्दुलअजीज के महल को भी किराये पर देगा। इस महल में पर्यटक रातें गुजार सकेंगे। 3 लाख 65 हजार वर्ग फुट का यह विशाल महल आधुनिक सऊदी अरब के दूसरे शासक सऊद बिन अब्दुलअजीज का घर हुआ करता था। रेड पैलेस के नाम से विख्यात इस महल को 1940 में तत्कालीन क्राउन प्रिंस के लिए तैयार किया गया था। अब इसे अल्ट्रा लग्जरी होटल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस महल में ठहर कर लोगों को सऊदी अरब की शाही जिंदगी के अनुभव मिल सकेंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार महल को नया रूप बुटीक रूप दे रहा है, जो एक

बिल्डर कंपनी है। दशकों तक यह महल शासक का आवास होता था और फिर सरकार का इसे मुख्यालय बना दिया गया था। अब यह एक होटल के तौर पर विकसित होगा। इसके कुल 70 कमरों में पर्यटक रुकेंगे। इससे लोगों को न सिर्फ ठहरने का मौका मिलेगा बल्कि सऊदी अरब की शाही जिंदगी के भी दीदार हो सकेंगे। इसके अलावा इस होटल में सऊदी अरब के शाही परिवार के पसंदीदा व्यंजन परोसे जाएंगे। इस तरह रहने से लेकर खाने तक में लोगों को सऊदी अरब की शाही लाइफस्टाइल का अनुभव कराया जाएगा। इस महल में स्पा सेंटर भी खुलेंगे, जहां सऊदी की पारंपरिक थेरेपी मिलेंगी। सऊदी अरब के इतिहास और संस्कृति को भी बताएगा महल बुटीक रूप का कहना है कि सऊदी अरब में यह अपनी तरह का पहला प्रयोग है।

नाटो सदस्यों में अलग-थलग पड़ा कनाडा, रक्षा खर्च में कटौती से निशाने पर आए जस्टिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका के एक मीडिया चैनल ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि कनाडा अपने घरेलू रक्षा खर्च को तय सीमा तक खर्च नहीं कर पा रहा है। इसके चलते कनाडा की सेना के कई उपकरण पुराने हो गए हैं और कनाडा की सरकार में अभी रक्षा खर्च प्राथमिकता में भी नहीं है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो नाटो की बैठक में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन की अध्यक्षता में नाटो की अहम बैठक वॉशिंगटन में हो रही है।

क्या कहा गया है कि रिपोर्ट में : नाटो की बैठक में प्रधानमंत्री ट्रूडो नाटो में कनाडा के योगदान पर बात रखेंगे, जिसमें ऑपरेशन रि-एश्योरेंस भी शामिल है, जो कनाडा की सबसे बड़ी सक्रिय विदेशी सैन्य तैनाती है। साथ ही ट्रूडो यूरो-अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता भी जाहिर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में, कनाडा 32 सदस्यीय गठबंधन के बीच अलग-थलग हो गया है। यह घरेलू सैन्य खर्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है, साथ ही नए उपकरणों को फंड देने के लिए तय बेंचमार्क से पीछे रह गया है। फिलहाल कनाडा के उन लक्ष्यों को हासिल करने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।

वादे के मुताबिक रक्षा खर्च नहीं कर पाया कनाडा : अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के 12 संस्थापक सदस्यों में से एक कनाडा ने साल 2014 में रूस के क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने का वादा किया था।

हालांकि कनाडा अपने वादे से काफी पीछे है। हालांकि नाटो के 32 सदस्य देशों में से 23 देशों ने रक्षा खर्च को लेकर तय लक्ष्यों को हासिल किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन को लेकर पूर्वी मोर्चे पर आशंकाएं बढ़ रही हैं। यही वजह है कि यूरोपीय देश अपना रक्षा खर्च बढ़ाने में जुटे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो सम्मेलन के दौरान कनाडा पर अपने वादे को पूरा करने का दबाव डाला जा सकता है। इस बात की भी चिंता जताई जा रही है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत जाते हैं तो यूरोप की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से यह दावा किया गया है। कहा गया है कि कनाडा की सेना के कई हथियार और उपकरण अनुपलब्ध और अनुपयोगी हैं। कनाडा की सरकार इस दिशा में खास प्रयास भी नहीं कर रही है।

अगले 20 वर्षों में सेना पर 73 अरब डॉलर खर्च करेगा कनाडा : बता दें कि साल 2024 के बजट में, कनाडा सरकार ने रक्षा खर्च में पाँच वर्षों में 8.1 अरब अमरीकी डॉलर और 20 वर्षों में 73 अरब अमरीकी डॉलर खर्च करने का एलान किया है। कनाडा की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए कनाडा सरकार ने यह ऐतिहासिक निवेश करने का एलान किया है। 2022 से, कनाडा ने यूक्रेन को समर्थन देते हुए 19 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें 4 अरब अमरीकी डॉलर की सैन्य सहायता शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अन्य सहायता में 12.4 अरब अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता, 35.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की मानवीय सहायता, 44.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की विकास सहायता और 21.0 करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक की सुरक्षा और स्थिरीकरण सहायता शामिल है।

संपादकीय

मॉस्को में मोदी

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद अपने पहले द्विपक्षीय विदेश दौरे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को चुना। पिछले दो कार्यकालों में उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए पड़ोसी देशों को चुना था। जाहिर है, साल 2014 और 2019 के मुकाबले आज की वैश्विक चुनौतियां काफी अलग हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने जहां तमाम देशों की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, तो वहीं हमास-इजरायल जंग ने एक अलग किस्म की मानवीय चुनौती पेश की है। ऐसे में, इस यात्रा के जरिये प्रधानमंत्री ने क्रेमलिन को यह संदेश देने की कोशिश की है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश का महत्व समझता है। रूस भी इस कदम की अहमियत से वाकिफ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय के प्रवक्ता के बयान इसकी तस्दीक करते हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने प्रधानमंत्री मोदी के नई दिल्ली से उड़ान भरने से पहले ही कहा कि 'हम एक अति महत्वपूर्ण दौरे की आशा करते हैं, जो दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से काफी अहम होगा।' भारत और रूस के शीर्ष नेतृत्व की आखिरी सालाना शिखर बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी, तब राष्ट्रपति पुतिन नई दिल्ली आए थे। उसके बाद से शीर्ष स्तर पर दोनों नेताओं की बैठक नहीं हो सकी थी। हालांकि, दोनों देशों के संबंधों की ऊष्मा बनी रही। इसकी एक बानगी उस वक्त देखने को मिली, जब यूक्रेन पर आक्रमण करने के कारण रूस के खिलाफ तमाम प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने पश्चिमी रुख को नजरअंदाज करते हुए उससे तेल खरीदना जारी रखा, बल्कि उसने पहले से कहीं अधिक तेल आयात किया। इस तरह उसने अपने अरबों डॉलर बचाए हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री के मौजूदा दौरे ने पश्चिम को प्रकारांतर से यह संदेश दिया है कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और अपने राष्ट्रीय हितों से संचालित है। गौर करने वाली बात यह है कि प्रधानमंत्री का मॉस्को दौरा उस समय हुआ है, जब रूस विरोधी नाटो समूह की अमेरिका में बैठक हो रही है। किसी एक देश की कीमत पर दूसरे से संबंधों में प्रगाढ़ता का भारत कभी हिमायती नहीं रहा। देर से ही सही, पश्चिम को यह बात अब समझ में आने लगी है। शायद यही कारण है कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते विगत दो दशकों में काफी सुधरे हैं और वाशिंगटन में भारत की जरूरतों की समझ भी बढ़ी है। जहां तक रूस का प्रश्न है, तो उसके साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा-संस्कृति, पर्यटन आदि अनेक क्षेत्रों में भारत के गहरे संबंध हैं और बदली वैश्विक स्थितियों में उन पर नए सिरे से विमर्श जरूरी है। निस्संदेह, भारत प्रत्येक देश की संप्रभुता की शुचिता के बड़े पैरोकारों में से एक रहा है और इसीलिए यूक्रेन पर रूसी हमले का उसने कभी समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। मुमकिन है, राष्ट्रपति पुतिन से अनौपचारिक बातचीत में इस मौजूं पर उनकी बात हुई हो। रूस, चीन और ईरान की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने यकीनन रूस को यह कहने का अवसर दिया है कि वह लोकतांत्रिक दुनिया में पूरी तरह से अलग-थलग नहीं पड़ा है। ऐसे में, क्रेमलिन को भी बीजिंग के साथ अपने संबंधों की पटकथा लिखते हुए भारतीय हितों और चिंताओं का ख्याल रखना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनी से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। जोश व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

समुद्र में कार्बन भंडारण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की ओर गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट प्लेटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित एलीटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे। वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले वैज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं। गौरतलब है, इस तरह की तकनीक को अपनाने का मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध तरीके से जलाना सुरक्षित है। फिर भी विज्ञानियों का कहना है कि कुछ रिग ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शरवाथ के अनुसार कनाडा के पश्चिमी तट से दूर, वैंकूवर द्वीप के पास कैस्केडिया बेसिन में विश्व के 20 साल के कार्बन उत्सर्जन को कैद करने की गुंजाइश है। यहीं पर विज्ञानी एक फील्ड टेस्ट करना चाहते हैं। यह योजना एक रासायनिक प्रतिक्रिया पर आधारित है जो पहले से ही स्वाभाविक रूप से होती है। बेसाल्ट चट्टान अत्यधिक प्रतिक्रियाशील होती है। ऐसी चट्टानें धातुओं से भरी होती हैं जो आसानी से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ लेती हैं और कार्बोनेट खनिजों का निर्माण करने के लिए रासायनिक रूप से इसके साथ जुड़ जाती हैं। बेसाल्ट भी टूट जाता है और छिद्रपूर्ण हो जाता है, जिससे नए कार्बोनेट के भरने के लिए पर्याप्त जगह बच जाती है। आइसलैंड में कार्बफिक्स नामक एक परियोजना ने इस प्रक्रिया के एक छोटे संस्करण का सफल प्रदर्शन किया है। इस विधि में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड को घोला जाता है। फिर उसे भूमिगत बेसाल्ट चट्टान में इंजेक्ट किया जाता है। ये समुद्री कार्बन-भंडारण कारखाने बहुत महंगे उपक्रम होंगे लेकिन यदि हम पृथ्वी को पूर्व-औद्योगिक तापमान पर वापस लाना चाहते हैं तो हमें अंततः ऐसे मेगा-प्रोजेक्ट का सहारा लेना पड़ सकता है। सॉलिड कार्बन उन बुनियादी तात्कालिक उपायों का विकल्प नहीं है, जिनकी दुनिया भर के जलवायु विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं। इन उपायों में जीवाश्म ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलना और खाद्य प्रणालियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने ऐसे वायरस खोजे हैं जो जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वायरस शब्द हमारे मन में खौफ पैदा करता है लेकिन सभी वायरस खौफनाक नहीं होते। इनकी दूसरी भूमिकाएं भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ पर विशाल वायरस की मौजूदगी का पता लगाया है जो बर्फ के शैवाल को संक्रमित करके आर्कटिक की बर्फ के काले होने और पिघलने को नियंत्रित कर सकते हैं। वायरस के 'विशाल' से चकित न हों। विशाल होने के बावजूद इन वायरस को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। अभी माइक्रोस्कोप से भी इन्हें नहीं देखा जा सका है। इनकी खोज नमूनों के डीएनए विश्लेषण से हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वायरस का उपयोग करके बर्फ के पिघलने की गति को धीमा किया जा सकता है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने के लिए एक नया रास्ता मिल सकता है। हर वर्ष में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है,तो जीवन वापस आ जाता है। धूवीय भालू अपनी सर्दियों की मांद से बाहर निकलते हैं। आर्कटिक टर्न नामक पक्षी अपनी लंबी यात्रा से दक्षिण की ओर उड़ते हैं और कस्तूरी बैल उत्तर की ओर बढ़ते हैं। लेकिन जानवर ही एकमात्र ऐसे जीव नहीं हैं जो वसंत के सूरज से फिर से जागृत होते हैं। बर्फ पर निष्क्रिय पड़े शैवाल वसंत में खिलने लगते हैं और बर्फ के

बड़े क्षेत्रों को काला कर देते हैं। जब बर्फ काली हो जाती है तो सूरज को परावर्तित करने की इसकी क्षमता कम हो जाती है। इससे बर्फ पिघलने की प्रक्रिया में तेजी आती है जिससे ग्लोबल वार्मिंग और भी बढ़ जाती है। डेनमार्क के आहस विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञानी लॉरा पेरीनी का कहना है कि विशाल वायरस बर्फ के शैवाल पर फीड करते हैं। शैवाल के खिलने पर ये वायरस एक प्राकृतिक नियंत्रण तंत्र के रूप में काम कर सकते हैं। वायरस आम तौर पर बैक्टीरिया से बहुत छोटे होते हैं। सामान्य वायरस का आकार 20-200 नैनोमीटर होता है,जबकि सामान्य बैक्टीरिया का आकार 2-3 माइक्रोमीटर होता है। दूसरे शब्दों में,सामान्य वायरस बैक्टीरिया से लगभग 1000 गुना छोटा होता है। हालांकि, विशाल वायरस के मामले में ऐसा नहीं है। विशाल वायरस 2.5 माइक्रोमीटर के आकार तक बढ़ते हैं। विशाल वायरस ज्यादातर बैक्टीरिया से बड़े होते हैं। लेकिन विशाल वायरस सिर्फ आकार में ही बड़े नहीं होते। आनुवंशिक जटिलता के हिसाब से ये वायरस बहुत अनोखे हैं। उनका जीनोम जीन समूह सामान्य वायरस से बहुत बड़ा होता है। बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले बैक्टीरियोफेज नामक वायरस के जीनोम में 100.000 से 200.000 अक्षर होते हैं। विशाल वायरस में लगभग 2.500.000 अक्षर होते हैं। विशाल वायरस की खोज सबसे पहले 1981 में समुद्र में हुई थी।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

भारतीय सांख्यिकी के प्रणेता प्रशांत चंद्र महालनोबिस

(लेखक- संजय गोस्वामी)

किसी देश की सांख्यिकी प्रणाली उसके दर्पण के रूप में कार्य करती है। यह आंकड़े तैयार करता है जो पर्यवेक्षकों को यह देखने की अनुमति देता है कि कोई देश प्रति व्यक्ति आय, मुद्रास्फीति, गरीबी, जीवन प्रत्याशा और स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मानकों पर कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।भारत में सांख्यिकी प्रणाली का विकास प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किया गया थाप्रशांत चंद्र महालनोबिस का जन्म कोलकाता स्थित उनके पैतृक निवास में 29 जून, 1893 को हुआ था। उनके दादा गुरचरण ने सन 1854 में बिक्रमपुर (अब बांग्लादेश) से कोलकाता आकर अपना व्यवसाय स्थापित किया था। उनके पिता प्रबोध चंद्र महालनोबिस साधारण ब्रह्मो समाज के सक्रिय सदस्य थे और उनकी माता निरोदबसिनी बंगाल के एक पढ़े-लिखे कुल से सम्बन्ध रखती थीं। प्रशांत का बचपन विद्वानों और सुधारकों के सान्निध्य में गुजरा और उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा उनके दादा द्वारा स्थापित ब्रह्मो ब्यायज स्कूल में हुई। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा भी इसी विद्यालय से सन 1908 में पास की। इसके बाद उन्होंने सन 1912 में प्रेसीडेंसी कालेज से भौतिकी विषय में आनर्स किया और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए लंदन चले गए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में जगदीश चन्द्र बोस, सारदा प्रसन्न दास और प्रफुल्ल चन्द्र रॉय जैसे शिक्षकों ने उन्हें पढाया। मेघनाद साहा उनसे एक कक्षा जूनियर थे तथा सुभाष चन्द्र बोस 2 कक्षा जूनियर। लन्दन जाकर उन्होंने कैब्रिज में दाखिला लिया और भौतिकी और गणित दोनों विषयों से डिग्री हासिल की। कैब्रिज में इनकी मुलाकात महान भारतीय गणितग्य श्रीनिवास रामानुजन से हुई। फिजिक्स में अपना ट्रीपोस करने के बाद उन्होंने कवेंडिश प्रयोगशाला में टी.आर. विल्सन के साथ कार्य किया। उसके बाद वे कुछ समय के लिए कोलकाता लौट आए जहाँ उनकी मुलाकात प्रेसीडेंसी कॉलेज के प्रिंसिपल से हुई जिन्होंने उन्हें वहाँ पर भौतिकी पढ़ने का आमंत्रण दिया। कुछ समय बाद प्रशांत इंग्लैंड वापस चले गए जहाँ किसी ने उनको बायोमेट्रिका पढने के लिए कहा। यह एक सांख्यिकी जर्नल था। उन्हें इसे पढ़कर इतना आनंद आया कि उन्होंने इसका एक सेट ही खरीद लिया और अपने साथ भारत ले गए। बायोमेट्रिका पढने के बाद उन्हें मानव-शास्त्र और मौसमविज्ञान जैसे विषयों में सांख्यिकी की उपयोगिता का ज्ञान हुआ और उन्होंने भारत लौटने वक्त ही इस पर काम करना प्रारंभ कर दिया। कोलकाता में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस की मुलाकात निर्मला कुमारी से हुई जो हेरम्बाचंद्र मित्रा की पुत्री थीं। हेरम्बाचंद्र एक अग्रणी शिक्षाविद और ब्राह्मो समाज के सदस्य थे। 27 फरवरी 1923 को दोनों ने हेरम्बाचंद्र की मर्जी के विरुद्ध विवाह कर लिया। प्रशांत के मामा सर नीलरतन सरकार ने कन्या के पिता का रस्म अदा किया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान प्रशांत चन्द्र महालनोबिस के कई सहयोगियों ने सांख्यिकी में दिलचस्पी लेना प्रारंभ किया और धीरे-धीरे ये समूह बढ़ता ही गया। ये सभी लोग प्रशांत के प्रेसीडेंसी कॉलेज कमरे में इकट्ठे होते थे। 17 दिसम्बर 1931 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना हुई और 28 अप्रैल 1932 को औपचारिक तौर पर पंजीकरण करा लिया गया। प्रारंभ में संस्थान प्रेसीडेंसी कॉलेज के भौतिकी विभाग से चलाया गया पर धीरे-धीरे इसके सदस्यों ने जैसे-जैसे इस दिशा में काम किया वैसे-वैसे संस्थान भी बढ़ता गया। बायोमेट्रिका के तर्ज पर सन 1933 में संस्थान के जर्नल संख्या की स्थापना हुई। सन 1938 में संस्थान का प्रशिक्षण प्रभाग स्थापित किया गया। सन 1959 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान को राष्ट्रिय महत्व का संस्थान घोषित किया गया और इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। कोलकाता के अलावा भारतीय सांख्यिकी संस्थान की शाखाएँ दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे, कोयंबटूर, चेन्नई, गिरिडीह सहित भारत के दस स्थानों में हैं। इसका मुख्यालय कोलकाता में है जहाँ मुख्य रूप से सांख्यिकी की पढ़ाई होती है। सांख्यिकी में योगदान आचार्य ब्रजेन्द्रनाथ सील के निर्देशन में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस ने सांख्यिकी पर काम करना शुरु किया और इस दिशा में जो सबसे पहला काम उन्होंने किया, वह था कालेज के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण। इस काम में उन्हें काफी सफलता मिली। इसके बाद महालनोबिस ने कोलकाता के ऐंग्लो-इंडियंस के बारे में एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। यह विश्लेषण और इसका परिणाम भारत में सांख्यिकी का पहला शोध-पत्र कहा जा सकता है। महालनोबिस का सबसे बड़ा योगदान उनके द्वारा शुरु किया गया सैंपल सर्वे की संकल्पना है। इसके आधार पर आज के युग में बड़ी-बड़ी नीतियाँ और योजनाएँ बनाई जा रही हैं। महालनोबिस की प्रसिद्धि महालनोबिस दूरी के कारण भी है जो उनके द्वारा सुझाया गयी एक सांख्यिकीय माप है। सम्मान एवं पुरस्कार सन 1944 में उन्हें वेलडन मेडल पुरस्कार दिया गया सन 1945 में लन्दन की रायल सोसायटी ने उन्हें अपना फेलो नियुक्त किया सन 1950 में उन्हें इंडियन साइंस कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया अमेरिका के एकोनोमेट्रिक सोसाइटी का फेलो नियुक्त किया गया सन 1952 में पाकिस्तान सांख्यिकी संस्थान का फेलो रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसाइटी का मानद फेलो नियुक्त किया गया (1954) सन 1957 में उन्हें देवी प्रसाद सर्वाधिकार स्वर्ण पदक दिया गया सन 19 59 में उन्हें फ्रिंग्स कॉलेज का मानद फेलो नियुक्त किया गया 1957 में अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान का ऑनररी अध्यक्ष बनाया गया नका जन्म मदिन, 29 जून, हर वर्ष भारत में सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है सन 1968 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म विभूषण से सम्मानित किया सन 1968 में उन्हें श्रीनिवास रामानुजम स्वर्ण पदक दिया गया निधन प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस एक दूरद्रष्टा थे। 28 जून, 1972 को उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने सांख्यिकी का प्रयोग आम लोगों की भलाई के कार्यों के लिए किया। उन्होंने कभी भी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया क्योंकि उन्हें विज्ञान में ब्यूरोक्रेसी की दखलअंदाजी पसंद नहीं थी। वे भारतीय सांख्यिकी संस्थान को सदैव एक स्वतंत्र संस्था के रूप में देखना चाहते थे।

विचार मंथन

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

(लेखक - सनत जैन)

भारत में बारिश के 8 फीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्रोत इस समय संकट में हैं। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है।

दुनिया के सभी देशों में पेयजल संकट देखने को मिल रहा है। भारत जैसे देश में जहां पेयजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब भारत में भी पानी को खरीदकर पीना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ समय-समय पर चेतावनी दे रहा है। पूरी दुनिया के 270 करोड लोग अभी भी जल संकट से प्रभावित हैं। इतनी बड़ी आबादी को पीने के लिए शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जल संकट के कारण अब युद्ध तक की बात होने लगी है। भारत में बारिश के पानी को बचाने के लिए छोटी छोटी योजनाएं बनानी पड़ेंगी। मानसून के समय बाढ़ के पानी को उन निचले क्षेत्रों में ले जाकर संग्रहित कर सकें जहां इनकी जरूरत है। बिहार जैसे राज्य जहां हर साल बारिश में बाढ़ आती है। उस समय जल काफी ऊंचाई के स्तर पर रहता है। छोटे-छोटे कटाव करके पानी निचले क्षेत्रों में आसानी के साथ तेज बहाव में भेजा जा सकता है। बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। उसके बाद साल भर जल संकट का भी सामना उन्हीं क्षेत्रों को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर चिंतन करना होगा। जहां पर आबादी है उन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बारिश के पानी को बचाने का प्रबंध करना चाहिए। जिससे भूमिगत जल स्तर बेहतर हो। साथ ही पेयजल के साथ-साथ जानवरों, पशु पक्षियों और खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक जल उपलब्ध हो सके।

हम बारिश के पानी का पांच फीसदी और ज्यादा बचा पाए, तो बहुत सारी समस्याओं का हल बारिश के पानी से हो जाएगा। इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुंचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

एलपीजी ईकेवाईसी अनुपालन की कोई समय सीमा नहीं पुरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर के लिए ईकेवाईसी प्रमाणीकरण प्रक्रिया का अनुपालन करने की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। पुरी की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के एक पत्र के जवाब में आई। सतीसन ने पत्र में उल्लेख किया कि हालांकि मस्टरिंग आवश्यक है, लेकिन संबंधित गैस एजेंसियों पर इसे करने की आवश्यकता से नियमित एलपीजी धारकों को असुविधा होती है। हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को घोषणा की कि तेल विपणन कंपनियां या ओएमसी फर्जी खातों को खत्म करने और वाणिज्यिक सिलेंडरों की धोखाधड़ी वाली बुकिंग को रोकने के लिए एलपीजी ग्राहकों के लिए ईकेवाईसी आधार प्रमाणीकरण को परिश्रमपूर्वक लागू कर रही हैं। हालांकि, पुरी ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया आठ महीने से अधिक समय से लागू है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सेवाएं प्राप्त हों।

कीस्टोन रियलटर्स की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़कर 611 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बिक्री बुकिंग 502 करोड़ रुपये थी। मुंबई स्थित कंपनी रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है। कंपनी सूचना के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 2.9 लाख वर्गफुट से 16 प्रतिशत घटकर 2.4 लाख वर्गफुट रह गई। कीस्टोन रियलटर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही ने वर्ष के लिए एक दिशा निर्धारित की है।

मर्सिडिज-बैंज ने रिकॉर्ड 9,262 इकाइयां बेचीं

नई दिल्ली । जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सडिज-बैंज की 2024 की पहली छमाही में भारत में बिक्री 9 प्रतिशत बढ़कर 9,262 इकाई हो गई। यह वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में मजबूत मांग और बड़ी संख्या में मॉडलों की उपलब्धता के दम पर दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार यह देश में उसकी अभी तक की सबसे अधिक बिक्री वाली छमाही रही। उसने 2023 की जनवरी-जून में 8,528 इकाइयों की बिक्री की थी। मर्सडिज-बैंज इंडिया ने कहा कि उसकी योजना 2024 की दूसरी छमाही में छह नए उत्पाद पेश करने की है।

एलएंडटी 183 करोड़ में सिलिकोंच सिस्टम्स खरीदेगी

नई दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बेंगलुरू स्थित सिलिकोंच सिस्टम्स को 183 करोड़ रुपये में पूरी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अधिग्रहण से फैबलेस सेमीकंडक्टर व्यवसाय में समूह की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए इंजीनियरिंग कौशल तथा डिजाइन विशेषज्ञता को बढ़ाने की संभावना है। एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सिलिकोंच सिस्टम्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए आठ जुलाई 2024 को शेयर खरीद समझौता किया है। यह अधिग्रहण सितंबर तक पूरा होने की संभावना है, जो कि पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन है। सिलिकोंच सिस्टम्स की स्थापना अप्रैल 2016 में की गई। यह सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा (आईपी) और एकीकृत सर्किट (आईसी) के विकास तथा डिजाइन में विशेषज्ञता रखती है।

मारुति ब्रेजा उरबानो एडिशन किया पेश

नई दिल्ली ।

बेहतरीन कारें बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने ब्रेज़ा कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए एक स्पेशल एडिशन पेश किया है। उरबानो एडिशन अपनी उपकरण सूची को बेहतरीन बनाने के लिए एंट्री-लेवल एलएक्सआई और मिड-लेवल वीएक्सआई वेरिएंट पर उपलब्ध करवाया गया है। यह एडिशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों पावरट्रेन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रिम्स को नया पैकेज मिलता है। इस एडिशन को 8.49 लाख रुपये की कीमत पर पेश किया गया है। इसमें अनिवार्य रूप से रियायती मूल्य पर कई सहायक उपकरण शामिल हैं। ब्रेज़ा एलएक्सआई के लिए उरबानो एडिशन में एक रियर पार्किंग कैमरा, एक टचस्क्रीन, स्पीकर, फ्रंट फॉग लैंप, फॉग लैंप गार्निश, फ्रंट और रियर स्किड प्लेट, फ्रंट ग्रिल क्रोम गार्निश, बॉडी साइड मोल्डिंग और एक व्हील आर्क किट शामिल है। स्टैंडअलोन खरीदने पर इन एक्सेसरीज़ की कीमत 52,370 रुपये होगी। वीएक्सआई वेरिएंट के साथ जोड़े जाने पर, उरबानो एडिशन एक रियर कैमरा, फॉग लैंप, एक विशेष डैशबोर्ड ट्रिम, बॉडी साइड मोल्डिंग, व्हील आर्क किट, मेटल सिल गार्ड, एक पंजीकरण प्लेट फ्रेम और 3 डी फ्लोर मैट के आएगा। इसमें आप अलग से 26,149 रुपये के प्राइज़ पर एक्सेसरीज़ और 18,500 रुपये की किट खरीद सकते हैं। उरबानो एडिशन की कीमत एक्स-शोरूम कीमत से 3,500 रुपये कम हो गई है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.50 पर स्थिर

मुंबई ।

देश के सराफा बाजारों में रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.50 पर स्थिर रहा। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर पड़ रहा दबाव कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से कम हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.49 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 83.49 से 83.51 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर 83.50 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मिश्रित वैश्विक संकेतों के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.03 पर रहा।

मुंबई में सीएनजी-पीएनजी की कीमतें बढ़ीं

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गाड़ी चलाना और खाना पकाना महंगा हो गया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी और घरेलू पाइपलाइन गैस (पीएनजी) की कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए 9 जुलाई, से लागू हो गए हैं। दिल्ली के बाद मुंबई में सीएनजी के दाम 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं जबकि पाइप के जरिए रसोई में पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) की कीमत एक रुपये बढ़ गई है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करने और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) ले रही है। इसके चलते गैस की लागत बढ़ गई है। बयान के अनुसार, गैस लागत में वृद्धि को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए एमजीएल ने मुंबई और उसके आसपास सीएनजी की कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति मानक घन मीटर बढ़ा दी है। इस वृद्धि के बाद सीएनजी की संशोधित कीमत सभी टैक्स सहित 75 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। वहीं मुंबई तथा उसके आसपास घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 22 जून को दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, कंपनी ने पीएनजी के दाम संशोधित नहीं किए और यह 48.59 रुपये प्रति एससीएम पर बनी हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधरित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक करीब 0.49 फीसदी बढ़कर 80,351.64 अंक के नए स्तर पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों मुख्य रूप से हाइब्रिड कार मेकर्स मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। मारुति के अलावा एमएंडएम , आईटीसी, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टीसीएस, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें रिलायंस, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस के शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त के साथ 80,107.21 पर खुला। जबकि एनएसई का निफ्टी-50 करीब 30 अंकों की बढ़त के साथ 24,351 पर खुला। शेयर बाजार खुलते ही मारुति सुजूकी के शेयरों ने 3 फीसदी से ज्यादा की सबसे तगड़ी बढ़त दर्ज की। टॉप गेनर्स की लिस्ट में मारुति सुजूकी के अलावा, लॉर्सन एंड टुब्रो, इंडसंड बैंक, यूटीसी, एसबीआईएन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस जैसे शेयर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा-0.43 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

दूसरी ओर दूनिया भर बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई ऊपर आये हैं जबकि हांगकांग का बाजार नीचे आया है। इसके अलावा यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट पर कारोबार करते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स 200 में 0.60 फीसदी की तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में मामूली बढ़त के साथ नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ, जबकि नेस्डेक 0.3 फीसदी चढ़ा। इसके विपरीत, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 60.98 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

चेतन हंसराज कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में परशुराम की भूमिका निभाएंगे

कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' ने लगातार दर्शकों को हमारी समृद्ध संस्कृति की जड़ों से जोड़े रखा है। भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच के शाश्वत प्रेम पर आधारित, यह शो भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम के आगमन के साथ आगामी एपिसोड्स में एक दिलचस्प मोड़ लाने के लिए तैयार है। और शो में परशुराम की भूमिका निभाने के लिए इस शैली में वापसी कर रहे हैं बहुमुखी अभिनेता चेतन हंसराज, जो शो में अपने सम्मोहक प्रदर्शन से कथा को समृद्ध करने का वादा करते हैं।

आगामी एपिसोड्स में, परशुराम भगवान शिव से मिलने आते हैं, भगवान गणेश उन्हें यह कहते हुए अंदर जाने से मना कर देते हैं कि उनके पिता व्यस्त हैं और वे नहीं चाहते कि कोई उन्हें परेशान करे। इससे परशुराम क्रोधित हो जाते हैं, जिससे उनके और गणेश के बीच भयंकर युद्ध होता है। जैसे ही ऐसा लगता है कि गणेश जीतने वाले है, परशुराम गणेश पर अपना परशु चला देते हैं। अपने पिता के सम्मान में, जिन्होंने परशुराम को कुल्हाड़ी उपहार में दी थी, गणेश प्रतिशोध नहीं लेते हैं। इसके बजाय, वह कुल्हाड़ी को अपने ऊपर वार करने देते हैं, जिससे उनका बायां दांत कट जाता है और वह ज़मीन पर गिर जाते हैं। शो में परशुराम के रूप में अपनी भूमिका पर चर्चा करते हुए, अभिनेता चेतन हंसराज कहते हैं, "कलर्स पर लौटकर मुझे घर वापसी जैसा लगता है। मेरे लिए शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में शामिल होने का एक प्रमुख कारण मेरी मां हैं, जो इस शो के प्रसारित होने के बाद से ही इसकी प्रशंसक रही हैं। भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति ऐसी है कि वह एपिसोड को बार-बार देखती हैं। विविध भूमिकाएं निभाने वाला अभिनेता होने के नाते मुझे दर्शकों से अलग-अलग तरीकों से जुड़ने का मौका मिलता है, लेकिन यह किरदार मेरे लिए बहुत खास है। परशुराम का किरदार निभाने का अवसर मैं हमेशा याद रखूंगा, खासकर इस शो के लिए मेरी मां के प्यार को देखते हुए। मैं अपने सभी दर्शकों और शुभचिंतकों से वैसा ही प्यार और समर्थन पाने के लिए आशान्वित और उत्सुक हूं, जैसा कि खुशकिस्मती से मुझे हमेशा मिला है।" देखिए 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' हर सोमवार से रविवार रात 8:00 बजे केवल कलर्स पर!

टमाटर के भाव आसमान छूने लगे

जालंधर। मानसून की एंट्री के बाद बेशक लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन सभी सब्जियों के दाम बढ़ने से रसोई का बजट डगमगा गया है। हिमाचल में लगातार बारिश होने के कारण टमाटर के भाव आसमान छूने लगे हैं। इसके अलावा आलू और प्याज समेत अन्य सब्जियों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। रिटेल में जो टमाटर 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, वह मकसूदां मंडी में 40 से 50 रुपए किलो में बिक रहा है। एक महीने पहले टमाटर 30 से 35 रुपए किलो था। इसी के साथ-साथ प्याज, आलू, गोभी, शिमला मिर्च, बीन्स, हरी मिर्च, घीया, बंदगोभी, बैंगन, भिंडी, अरबी, करेले आदि सब्जियां महंगी बिक रही हैं। जब तक हिमाचल प्रदेश में बारिश रुक नहीं जाती, तब तक सब्जियों के दामों में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल हिमाचल प्रदेश बड़ी मात्रा में टमाटर सप्लाई करता है लेकिन भरी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं और कई जगहों पर लैंडस्लाइड देखने को मिला है जिस कारण सड़कें बंद हो जाने से टमाटर और हिमाचल से आने वाली सब्जियों की सप्लाई भी कम होने लगी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब टमाटर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल मानसून के दौरान टमाटर 350 से 400 रुपए किलो तक बिका था।

आरबीआई ने दो गैर सरकारी संस्थान का रजिस्ट्रेशन किया रद्द

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो गैर-सरकारी संस्थान से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल कर दिया है। आरबीआई ने इसको लेकर सर्कुलर जारी किया था। बैंक ने बताया कि अनियमित उधार प्रथाओं के कारण इनका रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि उसने स्टार फिनसर्व इंडिया और पालीटैक्स इंडिया के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल किया है। हैदराबाद स्थित स्टार फिनसर्व इंडिया प्रोगकेप (डेसिडरेटा इम्पैक्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवा की पेशकश कर रहा था। पॉलीटेक्स इंडिया, जिसका मुख्यालय मुंबई में है, जेड2पी मोबाइल एप्लिकेशन (ज़ैटेक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवाएं प्रदान कर रहा था। आरबीआई ने बताया कि स्टार फिनसर्व के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को इसलिए रद् किया गया क्योंकि कंपनी ने क्रेडिट मूल्यांकन जैसे अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके अपने डिजिटल लेंडिंग ऑपरेशन में वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग की। यह आरबीआई के आचार संहिता के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हैं। इस वजह से स्टार फिनसर्व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। आरबीआई ने कहा कि स्टार फिनसर्व ने सर्विस प्रोवाइडर को ग्राहक डेटा तक पूर्ण पहुंच प्रदान करके डेटा गोपनीयता और ग्राहक जानकारी की सुरक्षा का भी उल्लंघन किया है। वहीं, पॉलीटेक्स ने क्लाइंट सोर्सिंग, केवाईसी सत्यापन, क्रेडिट मूल्यांकन, ऋण वितरण, ऋण वसूली, उधारकर्ताओं के साथ अनुवर्ती और शिकायतों में भाग लेने और समाधान से संबंधित अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके फाइनेंशियल सर्विस की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता के मानदंडों का उल्लंघन किया है।

यूपी में सस्ती हुई हाइब्रिड कारें

- 2 लाख रुपए सस्ती हुई मारुति की ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कारें अब सस्ती हो गई हैं। इस तरह की कारों की कीमत 4 लाख रुपये तक घट गई है। ऐसे वाहनों का पंजीकरण शुल्क शून्य करने का राज्य सरकार के फैसले के बाद इनकी कीमतें कम हुई है।

वाहन उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा देने के इरादे से योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला किया है। उत्तर प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान हर महीने करीब 100 हाइब्रिड कार बिकी थीं। राज्य सरकार ने वाहन पंजीकरण शुल्क में छूट देने के लिए हाइब्रिड वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर रखने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है और इस नई छूट से यहां महंगी हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री को भी दम मिलने की उम्मीद है।

पहले ईवी का पंजीकरण मुफ्त में होता था मगर 10 लाख रुपये से कम के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर 8 फीसदी पंजीकरण और इससे अधिक कीमत के वाहनों पर 10 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब पंजीकरण शुल्क हटने पर उत्तर प्रदेश में इन हाइब्रिड गाड़ियों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10 फीसदी तक कम हो गई है। उत्तर प्रदेश में मारुति ग्रैंड विटारा करीब 2 लाख रुपये सस्ती हो गई है। इसी तरह मारुति इनविक्टो की कीमत भी करीब 3 लाख रुपये घट गई है।

उत्तर प्रदेश में ग्रैंड विटारा और इनविक्टो की एक्स-शोरुम कीमत 10.99 लाख रुपये से 25.21 लाख रुपये के बीच है। हाइब्रिड कार बाजार में मारुति सुजूकी इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर प्रमुख हैं।

सोना 72300 और चांदी 92,500 के पार

नई दिल्ली ।

कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोना-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली है। मंगलवार को सोने का भाव लगभग 20 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ है, जबकि चांदी में भी करीब 20 रुपये प्रति किलो की बढ़त देखने को मिली है। इससे पहले सोमवार को सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72343 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है, जबकि 4 अक्टूबर की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72755 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोने में लगभग 250 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यह 72964 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले सोमवार को आखिरी सत्र में 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72333 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था, जबकि 4 अक्टूबर की डिलीवीरी वाला सोना 72736 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोना 73212 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर 5 सितंबर की वायदा डिलीवरी वाली चांदी 17 रुपये गिरकर 92631 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रही है, जबकि 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाली चांदी 9 रुपये लुढ़क कर 95357 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा है।

ऑनलाइन दवाओं पर नीति बनाने का आखिरी अवसर भी चूकी सरकार

- दिल्ली हाईकोर्ट ने वार्निंग के साथ दी थी समयसीमा

नई दिल्ली ।

दिल्ली स्थित साउथ केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (एससीडीए) के अनुसार केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि वह निर्धारित समय सीमा के अंदर ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति बनाने में असमर्थ रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस साल मार्च में सरकार को नीति बनाने के लिए चार महीने का ओ खिरी अवसर प्रदान किया था, जिसके बाद कोर्ट ने कहा था कि अगर ऐसा केंद्र नहीं कर पाता तो वह इस मामले की सुनवाई मेरिट के आधार पर करेगा। सुनवाई कई याचिकाओं पर हुई, जिनमें केंद्र सरकार द्वारा ई-फार्मेसी पर कार्रवाई नहीं करने के खिलाफ एससीडीए और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं सहित अन्य अनुरोध भी शामिल थे। ऑनलाइन दवाओं पर यह सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट द्वारा भी केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति को अंतिम रूप देने और जल्द से जल्द सूचित करने के निर्देश देने के एक सप्ताह बाद हुई। केंद्र ने अगस्त 2018 में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी किया था, जिसके बाद ये याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाओं में तर्क दिया गया कि दवाओं और प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की ऑनलाइन बिक्री अवैध है और कानून का कोई आदेश नहीं है। दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने ई-फार्मेसियों द्वारा दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को रोकने का आदेश पारित किया था क्योंकि इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और फार्मेसी एक्ट, 1948 के तहत अनुमति नहीं थी। मंत्रालय तब से नीति बनाने के लिए समय विस्तार का अनुरोध करता आ रहा है। नवंबर 2023 में मंत्रालय ने फिर से अधिक समय का अनुरोध करते हुए कहा कि ऑनलाइन दवाओं की बिक्री का विषय जटिल प्रकृति का है और दवाओं की बिक्री के तरीके में कोई भी संशोधन दूरगामी परिणाम होंगे और कई अधिनियमों और नियमों, विनियमों में परिवर्तन शामिल होंगे।

कमल हासन ने अपने बयान पर दी सफाई, कहा था- इंडियन 2 से ज्यादा इंडियन 3 है पसंद

कमल हासन भारतीय सिनेमा के बेहद मशहूर कलाकार हैं। उन्हें उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाना जाता है। वह एक अभिनेता के अलावा, फिल्म निर्देशक, फिल्म निर्माता, पटकथा लेखक भी हैं। पर्दे पर उन्हें बेहतरीन अदाकारी के लिए काफी पसंद किया जाता है। हाल में ही वह कल्कि 2898 एडी में नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने सुप्रीम यासकिन का नकारात्मक किरदार निभाया है, जिसकी काफी प्रशंसा हो रही है। इसके अलावा उनकी एक और फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसे लेकर अभिनेता ने कई रोमांचक जानकारियां साझा की हैं। कमल हासन आज यानी 6 जुलाई को अपनी आगामी फिल्म इंडियन 2 के एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर कई अपडेट दिए। उन्होंने इस दौरान फिल्म के पहले भाग इंडियन को लेकर भी चर्चा की, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। अब इस के सीक्वेल को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि इंडियन 2 दर्शकों को काफी रोमांचित करेगी और कई रिकॉर्ड्स तोड़ेगी। उन्होंने कहा कि यह फिल्म काफी खास होने वाली है। अपनी आगामी फिल्म को लेकर अभिनेता ने कहा कि आमतौर पर लोग सेंसर बोर्ड में ज्यादा बात नहीं करते हैं, लेकिन इंडियन 2 उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे लेकर काफी लंबे समय तक उनसे बात की। वह समझते हैं कि ये फिल्म दर्शकों के लिए काफी खास होने वाली है। उन्हें फिल्म इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसके बारे में इतने लंबे समय तक बात की। मेरा मानना है कि यह दर्शकों के लिए एक खास फिल्म होगी। इस दौरान उन्होंने सिंगापुर प्रेस मीट में अपने उस बयान पर सफाई भी दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें इंडियन 2 से ज्यादा अच्छी इंडियन 3 लगी थी।

विवादित सीन्स पर लोगों की तालियां सुन परेशान हो गई थी तापसी

फिल्मों का दर्शकों पर क्या प्रभाव पड़ता है और अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं की नैतिक जिम्मेदारियां क्या हैं, यह बात लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। हालांकि, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की रिलीज के बाद यह चर्चा शुरू हुई।पिछले साल दिसंबर में इस मुद्दे ने और तूल पकड़ लिया था। कई लोगों ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहा था कि इसमें महिलाओं के प्रति घृणा और हिंसा को महिमामंडित किया गया है। एक्सप्रेसो के एक साक्षात्कार में तापसी पन्नू ने एक बार फिर एनिमल की आलोचना की है। तापसी ने कहा, अगर मैंने एनिमल की स्क्रिप्ट पढ़ी होती, तो मैं भी रणबीर कपूर की तरह ही उत्साहित होती... लेकिन, फर्क यह है... जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और जब आप वही देखते हैं जो आप देखते हैं, तो यह निर्देशक का माध्यम होता है। जब मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ रही होती हूं, तो मुझे नहीं पता होता कि वह किस शॉट पर लो एंगल और हाई बीजीएम डाल रहा है। तापसी ने आगे कहा, मैं स्क्रिप्ट के जरिए यह नहीं देख पाती। यह सिर्फ निर्देशक ही है जो शॉट-टेकिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के जरिए संवाद कर सकता है। आप एक निश्चित सीन और शॉट की कल्पना करते हैं। एक किरदार, इस बात पर निर्भर करता है कि सीन कैसे शूट किया गया है यह कागज पर नहीं होगा। फिल्म बदला में निभाए गए किरदार का उदाहरण देते हुए, तापसी ने कहा कि वह जानती थी कि वह किसके लिए साइन अप कर रही थी, और वह जानती थी कि वह एक गहरा किरदार निभाने जा रही थी। अभिनेत्री ने कहा, पूरी फिल्म में कहीं भी आप उन्हें मेरे साथ किसी गलत का जश्न मनाते हुए नहीं देखेंगे। तापसी ने कहा, एनिमल में कुछ सीन्स पर तालियां और सीटियां सुनना थोड़ा अजीब था, जहां मुझे इस तरह के किरदार का इस तरह बढ़ना पसंद नहीं था। वहीं, तापसी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में चल रही हैं।

वेब सीरीज बहिष्करण में वेश्या का रोल निभा रही हैं अंजलि

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री अंजलि जल्द ही बहिष्करण वेब सीरीज में नजर आएंगी। अंजलि को इससे पहले गैंग्स ऑफ गोदावरी में अभिनय करते हुए देखा गया था। फिल्म की चर्चा तो काफी हुई थी, लेकिन टिकट खिड़की पर आते ही यह फ्लॉप हो गई थी। इसी बीच, अब उन्हें इस वेब सीरीज से वापसी की उम्मीद हैं। अंजलि ने हाल ही में, बहिष्करण में अपने किरदार को लेकर कुछ बातें साझा की है। बता दें कि वो इस सीरीज में पुष्पा नाम की एक वेश्या का रोल अदा कर रही है, जिसके बारे में बात करते हुए अंजलि ने कहा कि इस किरदार को निभाना अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक अनुभव रहा। अंजलि ने कहा कि बहिष्करण में पुष्पा का किरदार जीवन में आई तमाम बाधाओं के खिलाफ ताकत और साहस से लड़ता है। उन्होंने इसे प्रेरणादायक करार देने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी बताया।

मिर्जापुर 3 में सलोनी त्यागी बन छा गईं नेहा सरगम

नेहा सरगम ने मिर्जापुर 3 में विजय वर्मा की ऑनस्क्रीन पत्नी सलोनी त्यागी का किरदार निभाया है। सीरीज में अभिनेत्री ने विजय वर्मा के साथ काफी बोल्ड सीन दिए हैं। मिर्जापुर 3 के रिलीज होने के बाद से ही हर कोई नेहा सरगम के बारे में जानने के लिए बेकरार है जानकारी हो कि नेहा सरगम पटना की रहने वाली हैं, वहीं से उन्होंने सेल्स एंड मार्केटिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री ली। वह गायिका बनने का ख्वाब लेकर मां और बहन के साथ मुंबई आईं और यहीं बस गईं। नेहा रामायण, परमावतार श्री कृष्ण और यशोमती मैया के नंदलाला जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। खबरों की मानें तो नेहा ने अभिनेता नील भट्ट को डेट किया था लेकिन दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाया।

अब 2 अगस्त को धमाल मचाएगी अजय देवगन-तब्बू की जोड़ी

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म औरों में कहां दम था का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को लेकर निर्माता लगातार नई जानकारियां दे रहे हैं। हाल ही में निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए बताया था कि वे जल्द ही फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा करेंगे। सिनेमाघरों घरों में फिल्म देखने के लिए दर्शकों और थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। आखिरकार अब निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पहले यह फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है। पहले इसकी टक्कर निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर किल से होने वाली थी। अब निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट साझा की है। आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म अब 2 अगस्त को रिलीज होगी। अजय और तब्बू ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया और नई रिलीज डेट की घोषणा की। तस्वीर के साथ अजय ने लिखा, 2 अगस्त को इंतजार खत्म होगा। औरों में कहां दम था। नीरज पांडे ने भी पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, प्यारे दोस्तों, हमारी रिलीज की नई तारीख है। वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। यह फिल्म पांच जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मनीषा कोइराला ने निजी जिंदगी को लेकर किए खुलासे

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपनी अभिनय प्रतिभा के बूते इंडस्ट्री में अलग मुकाम हासिल किया है। नेपाली मूल की मनीषा ने बॉलीवुड में कई शानदार फिल्में दी हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपने व्यक्तिगत जीवन पर बात करती नजर आईं। इस दौरान मनीषा ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में रिलेशनशिप के मामले में काफी कुछ झेला है। मनीषा ने कहा कि उन्होंने गलत पुरुषों को डेट किया है। मनीषा कोइराला ने फिल्मफेयर के साथ बातचीत के दौरान अपनी निजी जिंदगी पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वह टॉक्सिक रिलेशनशिप में रही हैं। मनीषा ने कहा कि उन्होंने हमेशा गलत पुरुषों को डेट किया है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले रिश्तों में खबरों के साफ-साफ संकेत मिलने पर भी वह नजरअंदाज क्यों किए थे। मनीषा कोइराला ने बताया, मैंने इस बात पर गौर किया कि मैं सिर्फ गलत लोगों के प्यार में क्यों पड़ी। मैं सोचती थी कि मैं बार-बार ऐसा क्यों कर रही हूं या फिर मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, जो मैं कमरे में सबसे ज्यादा परेशान रहने वाले व्यक्ति की ओर आकर्षित हो रही हूं। मैंने सोचा कि सबसे पहले मुझे इस बात पर काम करना होगा कि मुझे क्या परेशान कर रहा है। मैं पिछले पांच-छह वर्षों से अकेली हूं और मैं घुलने-मिलने के मूड में नहीं हूं, क्योंकि मुझे अभी भी लगता है कि मुझे खुद पर बहुत काम करने की जरूरत है। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि वे कैसा पार्टनर चाहती हैं? तो जवाब मिला, यह सब कहने के बाद कभी मैं एक अच्छे रिलेशनशिप में आना चाहूंगी, जहां मुझे लगे कि हम दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं और जहां हम हैं, उसके बारे में ईमानदार हैं। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें आगे बढ़ने के लिए क्या सीखने की जरूरत है और क्या हम अपनी यात्रा में एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना चाहती हूं, जिसके पास सपने और महत्वाकांक्षाएं हों और किसी तरह का जुनून हो, क्योंकि मैं बहुत भावुक इंसान हूं। मनीषा कोइराला ने कहा कि रिश्तों में वह काफी क्षमाशील रहीं। एक्टर्स ने कहा, मैं एक बाहरी कलाकार थी, नेपाल से आई थी और किसी को नहीं जानती थी। मैं मुझे सही या गलत का पता नहीं था, मुझे लगता था कि अकेलेपन को एक प्रेमी या साथी भर सकता है, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। मैंने अकेलेपन से बचने का एक क्रिएटिव तरीका खोज लिया।

एक महीने के अंदर रिलीज होगी पिता चिरंजीवी और बेटे राम चरण की फिल्म

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर पर तीन साल से काम चल रहा है। इस दौरान कई बार शूटिंग शुरू हुई और कई बार रुकी। हाल ही में, खबर आई कि राम चरण ने फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। इससे उनके प्रशंसकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि अब उनसे इंतजार करते नहीं बन रहा है। दूसरी ओर उनके पिता की भी एक फिल्म आने वाली है और दोनों फिल्मों को लेकर एक रोचक चीज सामने आ रही है। राम चरण के पिता चिरंजीवी अपनी आने वाली फिल्म विश्वंभरा की शूटिंग में व्यस्त में हैं। इसे लेकर हाल ही में खबर आई थी कि जल्द ही इसकी मेकिंग की एक वीडियो और चिरंजीवी के लुक को दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। विश्वंभरा को अगले साल 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राम चरण ने गेम चेंजर की शूटिंग खत्म की तो अब इसकी रिलीज की तारीख को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इसे इसी साल दिसंबर महीने में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है यानी कि एक ही महीने के भीतर राम चरण और चिरंजीवी की फिल्म को देखने का दिलचस्प संयोग बन रहा है। दोनों पिता-पुत्र के प्रशंसकों के लिए तो यह किसी तोहफे से कम नहीं है। गेम चेंजर की बात करें तो इसमें राम चरण के साथ-साथ कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका अदा कर रही है। इसका निर्देशन एस शंकर कर रहे हैं। यह एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्माण दिल राजू ने किया है। यह उनके प्रोडक्शन की 50वीं फिल्म है। चिरंजीवी की विश्वंभरा में बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी नजर आएंगे। कहा जा रहा है इस फिल्म में चिरंजीवी और कुणाल एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। इनके अलावा त्रिशा भी अभिनय करती दिखाई देंगी। इसका निर्देशन वशिष्ठ मल्लादी कर रहे हैं और फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है। इसमें एमएम कीरवानी का संगीत सुनने को मिलेगा।

बिग बॉस होस्ट करना चाहते हैं इमली फेम गश्मीर महाजनी

भारत के सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस में पिछले कुछ वर्षों में कई प्रमुख हस्तियों ने मेजबानी की है, लेकिन सलमान खान सीजन 4 में कमान संभालने के बाद से प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए हैं। उनके आकर्षक अंदाज और करिश्मे ने कई दर्शकों का दिल जीत लिया है। हाल ही में, अभिनेता गश्मीर महाजनी ने बिग बॉस होस्ट करने की इच्छा जाहिर की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है। गश्मीर रोमानिया में रोहित शेट्टी की खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग पूरी करने के बाद भारत लौटे हैं। अभिनेता ने बिग बॉस में अपनी रुचि के बारे में बताया, लेकिन एक प्रतियोगी के रूप में नहीं। इंस्टाग्राम सेशन के दौरान, अभिनेता से एक फैन ने पूछा कि क्या वह रिएलिटी शो के अगले सीजन में शामिल होंगे। सवाल का जवाब देते हुए, गश्मीर ने एक प्रतियोगी के बजाय शो में होस्ट के रूप में शामिल होने का अपना सपना बताया। दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता को उम्मीद है कि भविष्य में यह किसी दिन हकीकत बन जाएगा। स्टंट आधारित रिएलिटी शो पूरा करने के बाद, गश्मीर के बिग बॉस 18 में शामिल होने की अफवाहें थीं।

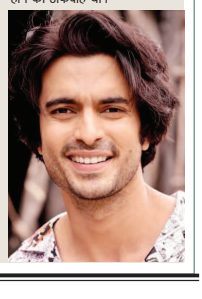

घर खाली कराने के नाम पर एक युवती को बेरहमी से पीटा

सूरत में इवेंट मैनेजमेंट सेक्टर से जुड़ी एक युवती को एक मकान मालिक और दो-तीन अन्य लोगों ने बेरहमी से पीटा है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है. पीड़िता मुंबई की रहने वाली है और इवेंट मैनेजमेंट का काम करने के कारण काफी समय से सूरत में रह रही है। किराए के विवाद में एक शख्स ने लड़की का हाथ पकड़ लिया, जबकि मकान मालिक ने लड़की के बाल पकड़ लिए और बेरहमी से लात-घूंसों से पीटा।

पीड़ित ने घर के मालिक पर आरोप लगाते हुए कहा है कि घर खाली करने को कहकर उसके साथ मारपीट की गई. इसके अलावा घर के मालिक ने साराजाहेर में उसके कपड़े उतारकर वीडियो बनाया और चप्पू से मारने की धमकी दी। इस घटना में लड़की घायल हो गई और उसे इलाज के लिए सिविल ले जाया गया। लड़की की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

दो लड़कियाँ घर से भाग गई

घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक मूल रूप से मुंबई की रहने वाली और इवेंट मैनेजमेंट का काम करने वाली लड़की काफी समय से सूरत में काम कर रही है. पिछले दो माह का किराया बकाया होने के कारण मकान मालिक सहित तीन-चार लोग मकान में घुस गये। किराए के विवाद पर मकान मालिक इतना गुस्सा हो गया कि उसने घर में रहने वाली तीन युवतियों को पीटना शुरू कर दिया. जिसमें से दो लड़कियां डरकर भाग गईं और एक लड़की उनके हाथ लग गई.

घर के मालिक के साथ एक आदमी ने लड़की के दोनों हाथ पकड़ लिए और घर के मालिक ने लड़की के बाल पकड़ लिए और उसे बेरहमी से मारना शुरू कर दिया। लड़की के बाल खींचे और अंधाधुंध मुक्के और धक्के मारने शुरू कर दिए। इसके साथ ही पीड़िता को चप्पू दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी गई. इस मारपीट की घटना में लड़की के हाथ, पैर और सिर पर चोटें आईं.

पीड़िता को 108 के जरिए सिविल में शिफ्ट किया गया

जिसके बाद बच्ची को 108 एंबुलेंस से सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया. जिसके बाद लड़कियां अपना सामान लेकर उमरा पुलिस स्टेशन पहुंच गईं। जहां पूरे मामले में लिखित आवेदन देकर बिल्डिंग मालिक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की. जिसमें पुलिस ने पहले लिखित आवेदन लिया और बाद में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया, मुझे नहीं पता कि मैनेजर ने किराया दिया या नहीं: पीड़ित

इस पूरे मामले में पीड़ित लड़की का कहना है कि, मुझे नहीं पता कि मुझे क्यों पीटा जा रहा है. मैं बार-बार उन लोगों से कह रहा था कि मुझे मत मारो. वो लोग लगातार मेरे सिर, हाथ और पैर पर मार रहे थे. मैंने भी अपने बचाव में उस पर हाथ उठाया. किराये को लेकर हमारे साथ मारपीट की गयी है. मैनेजर ने किराया चुकाया है या नहीं? मुझे तो इसका अंदाज़ा भी नहीं था. बाद में हमारे चरित्र को लेकर झूठे आरोप लगाये गये. वह हाथ में चाकू लेकर आया और बोला, किराया नहीं दोगे तो तुम पर चोरी का आरोप लगा दूंगा। उसने यह भी कहा कि वह इसे सड़क पर ले जाएगा और अपने कपड़े उतारकर वीडियो बनाएगा। हमें नहीं पता था कि वे हमें क्यों मार रहे हैं, लड़की ने वीडियो भी दिया- पीआई

इस पूरे मामले में उमरा पुलिस स्टेशन के पीआई जेजी पटेल ने कहा कि लड़की की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है. तीन लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा आईपीसी की धारा 323 दर्ज किया गया है। लड़की ने वीडियो भी दिया है, जिसकी जांच की जा रही है.

सार्वभौम मेघमेहर के बाद सूरत जिले में 24,469 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुआई

सूरत । राज्य भर में जुलाई के पहले सप्ताह तक सूरत जिले के सभी तालुकाओं में बुआई के लिए बारिश हो चुकी है. सार्वभौम मानसून के कारण जिले में हुई अच्छी बारिश के कारण खरीफ फसलों की व्यापक बुआई शुरू हो चुकी है। अच्छी बारिश की संभावना को देखते हुए तालुका के विभिन्न इलाकों के किसान अधिक फसल लगाने की योजना बना रहे हैं. इस ख़रीफ़ सीज़न की शुरुआत में, सूरत जिले में 24,469 हेक्टेयर ख़रीफ़ फ़सलें बोई गई हैं। इसमें 2787 हेक्टेयर में धान 755 हेक्टेयर, कपास 6537 हेक्टेयर, मक्का 6537 हेक्टेयर, सोयाबीन 3449 हेक्टेयर और सब्जियां 4818 हेक्टेयर शामिल हैं।

जिला कृषि पदाधिकारी श्री सतीश गमीत ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरकार की अनुदानित खरीद योजना से किसान बुआई में व्यस्त हो गये हैं. जुलाई माह की शुरुआत में रोपाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल 24,469 हेक्टेयर में सिंचित और असिंचित फसल, 2787 हेक्टेयर में धान, 755 हेक्टेयर में कपास, 6537 हेक्टेयर में मक्का, 3449 हेक्टेयर में सोयाबीन और 4818 हेक्टेयर में सब्जी की बुआई हुई है. लगाए गए हैं. जिले में कुल 679 हेक्टेयर केला रोपण में से, कामराज तालुक में 558 हेक्टेयर में सबसे अधिक केला रोपण किया गया है। जिले में कुल 6537 हेक्टेयर में मक्का लगाया गया है, जिसमें अकेले उमरपाड़ा तालुका में 6515 हेक्टेयर मक्का बोया गया है।

सरकार की योजना ने मेरे जैसे कई छोटे लोगों को नए नक्कर रिक्शा का मालिक बना दिया: भूपेन्द्रभाई सुरती

सूरत। राज्य सरकार अनुसूचित जाति के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, उन्हें प्रगति करने और आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है. अनुसूचित जाति विकास निगम की थ्री व्हीलर ऋण योजना सूरत जिले के चोरयासी तालुक के वंजगाम के 47 वर्षीय रिक्शा चालक भूपेन्द्रभाई सुरती और उनके परिवार के लिए एक वरदान रही है। कम ब्याज दर पर 2.50 लाख रुपये का ऋण मिलने से उनका खुद का थ्री-व्हीलर रिक्शा खरीदने का सपना साकार हो गया। तो उनके और उनके परिवार के चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी.

भूपेन्द्रभाई मगनभाई सुरती ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की मदद से अपना रिक्शा खरीदकर उन्हें किराए पर रिक्शा चलाने से स्थायी रूप से छूट मिल गई है। उनका कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण उन्होंने 10वीं तक पढ़ाई की और परिवार के साथ खेती-मजदूरी करने लगे। इसके बाद कुछ ही समय में उन्होंने गांव के अपने दोस्तों की मदद से रिक्शा चलाना सीखना शुरू कर दिया। समय के साथ किराये पर रिक्शा (बचत पर रिक्शा) चलाना शुरू कर दिया। एक दिन की कमाई में से 150 रुपये प्रतिदिन रिक्शा मालिक को किराये के रूप में देने पड़ते थे। इसलिए पूरे दिन रिक्शा चलाने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती थी। यह भी सोचा गया कि यदि रिक्शा हो तो आय बचाई जा सकती है। कुछ ही समय में जमापूंजी ने पैसे बचाकर एक सेकेंड हैंड रिक्शा खरीद लिया।

उन्होंने आगे कहा कि पांच-छह साल तक सेकेंड हैंड रिक्शा चलाने के बाद अब फिर से किराए का रिक्शा चलाने का समय आ गया है. चूँकि परिवार की आजीविका के साथ-साथ दो बेटियाँ पढ़ रही थीं, इसलिए कोई बचत नहीं थी और सारी आय घर के खर्च में बेटियों की शिक्षा पर खर्च हो गई। ऐसे में नया रिक्शा कैसे मिलेगा यह एक दुविधा थी। सुबह अखबार में अनुसूचित जनजाति विकास निगम द्वारा संचालित थ्री व्हीलर रिक्शा ऋण योजना का विज्ञापन पढ़ा। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए तुरंत सूरत शहर के अनुसूचित जाति विकास निगम कार्यालय से संपर्क करें। इसलिए ऑनलाइन आवेदन करने और दस्तावेज़ जमा करने के बाद, कुछ ही समय में ऋण स्वीकृत हो गया और वह एक नए नक्कर रिक्शा का मालिक बन गया।

राष्ट्रीय नृत्य खेल चैम्पियनशिप-2024 में द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने धूम मचा दी

सूरत।

राष्ट्रीय नृत्य खेल चैम्पियनशिप-2024; यह 28, 29 और 30 जून 2024 को चेन्नई में आयोजित किया गया था। इस नृत्य चैंपियनशिप में बॉलरूम नृत्य शैली प्रमुख थी, जिसमें छह (6) श्रेणियां थीं, जो क्रमश: जूवेलियन, जूनियर, सब जूनियर, स्टैंडर्ड, लैटिन और यूथ थीं। इस चैंपियनशिप में गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे 12 राज्यों के 200 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया।

उगत-कैनाल रोड और भेसान रोड, जहांगीराबाद, सूरत-395005 के पास स्थित द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के सीबीएसई, जीएसईबी अंग्रेजी माध्यम और जीएसईबी गुजराती माध्यम के छात्रों ने भाग लिया।

जिसमें जीएसईबी गुजराती माध्यम के कक्षा 4-ए से मैरी पटेल ने जूवेलियन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता, कक्षा 6-डी से हरिन पटेल ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक और कक्षा 5-के से शिव पटेल ने कांस्य पदक जीता; आर्य प्रजापति ने युवा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जीएसईबी अंग्रेजी माध्यम कक्षा 12-बी से रौनक गोस्वामी ने लैटिन वर्ग में रजत पदक जीता; सीबीएसई विभाग के कक्षा 9-डी से कार्तव्य सोसा ने स्टैंडर्ड श्रेणी में

कांस्य पदक जीता और कक्षा 10-के से शुभम सिंह ने लैटिन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।

इसके अनुसार उक्त विद्यार्थियों ने नेशनल डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि का सारा श्रेय स्कूल के डांस कोच जय पटेल, स्कूल के खेल समन्वयक, परिसर निदेशक और स्कूल के ट्रस्टियों को जाता है; जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी और इसी तरह आगे भी खेलते रहने तथा विद्यालय का नाम रोशन करते रहने की कामना की।

लैंक्सेस इंडिया ने ईटी नाऊ सप्लाय चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवार्ड्स 2024 में सिल्वर जीता

मुंबई।

लैंक्सेस इंडिया ने प्रतिष्ठित ईटी नाऊ सप्लाय चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवार्ड्स 2024 में सिल्वर प्राप्त किया है। यह पुरस्कार उसे 'पायनियरिंग रिस्क मिटिगेशन स्ट्रैटेजीज' श्रेणी में दिया गया है। यह महत्वपूर्ण सराहना अपनी सप्लाय चेन्स को ज्यादा सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

नई दिल्ली में 28 जून, 2024 को हुए एक कार्यक्रम के दौरान लॉजिस्टिक्स के हेड महेन्द्र शेल्के ने यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की ओर से प्राप्त किया।

सप्लाय चेन्स को सफल बनाने वाले सबसे महत्वपूर्ण साझीदारों में से एक होता है ड्राइवर। वह मटेरियल की एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित आपूर्ति के लिये जिम्मेदार होता है। यह पुरस्कार लैंक्सेस की 'एम्पावर्ड ड्राइवर' पहल की सराहना करता है, जिसका लक्ष्य ड्राइवरों को आवश्यक सहयोग देकर सशक्त करना है। इसमें परामर्श, प्रदर्शन का मूल्यांकन, व्यापक प्रशिक्षण, सुरक्षा में प्रदर्शन के लिये सराहना और चिकित्सा करना शामिल है। इससे उनका भरोसा और आत्मविश्वास बढ़ जाता है और वे उत्साही बने रहते हैं। कंपनी अपने ड्राइवरों को सड़कों पर होने वाली गलतियों पर जागरूक भी करती है और इससे बचने के तरीके बताती है।

ड्राइवरों को सशक्त करके और जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देकर लैंक्सेस इंडिया न केवल परिचालन क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि अपने परिचालन में दुर्घटनाओं को भी कम करती है।

लैंक्सेस इंडिया अपनी सप्लाय चेन में नवाचार, सुरक्षा और संवहनीयता के लिये लगातार प्रतिबद्ध है। यह शून्य दुर्घटना का लक्ष्य हासिल करना और उद्योग में नये मापदण्ड स्थापित करना चाहती है।

इस सफलता पर अपनी बात रखते हुए, लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, ''हम ईटी नाऊ से यह प्रतिष्ठित सराहना पाकर बहुत खुश हैं। एक कंपनी के तौर पर हम सचेत होकर पर्यावरण की रक्षा करने वाला एक ऐसा सिस्टम बना रहे हैं, जो न केवल स्थायी उत्पादन एवं प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है, बल्कि हमारे लॉजिस्टिक भागीदारों के साथ मिलकर संवहनीय तरीके पर भी ध्यान देता है। अपनी सप्लाय चेन के परिचालन में क्षमता, संवहनीयता और विश्वसनीयता को बढ़ाने की कोशिशें तेज करने और ड्राइवरों की सुरक्षा को बेहतर बनाने में हमारी प्रतिबद्धता नये-नये मापदण्ड तय करती रहेगी।''

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने सूरत में एक नए शोरूम के साथ गुजरात में अपनी उपस्थिति बढ़ाई

रायपुर। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की अग्रणी गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स सूरत में अपने नवीनतम शोरूम के उद्घाटन के साथ गुजरात में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नई सुविधा पावर ऑटो के साथ साझेदारी में संचालित की जाती है, जो भारत में टिकाऊ गतिशीलता समाधान प्रदान करने के कंपनी के मिशन में एक और मील का पत्थर है। क्षेत्र के एक प्रमुख राजनेता श्री जिग्नेश पाटिल ने मुख्य अतिथि के रूप में भव्य उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उनकी साझेदारी हरित परिवहन विकल्पों की दिशा में सूरत की प्रगति के विकास के महत्व को रेखांकित करती है।

अडाजण में एल-7, एल-8, महान टेरेस, भुलका भवन स्कूल में सुविधाजनक रूप से स्थित, यह शोरूम सूरत के केंद्र में एक प्रमुख स्थान पर है। 750 वर्ग फुट में फैली इस सुविधा को ग्राहकों के लिए आसान पहुंच प्रदान करते हुए गोदावरी के नवीनतम इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। शोरूम गोदावरी के इलेक्ट्रिक वाहनों की शानदार रेंज का प्रदर्शन करेगा, जिससे सूरत के निवासियों को टिकाऊ परिवहन के भविष्य को पहली बार खोजने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इस सुविधा में कुशल तकनीशियनों द्वारा नियुक्त एक सेवा केंद्र भी शामिल है, ताकि सूरत और आसपास के क्षेत्रों में गोदावरी इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को बिक्री के बाद शीघ्र और कुशलता से सहायता मिल सके।

नए शोरूम के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के सीईओ, श्री हैदर खान ने कहा, "सूरत, अपनी अनूठी आबादी और प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ, हमारे अभिनव इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक बड़ा बाजार है। हम इस गतिशील शहर में अपने नवीन और किफायती परिवहन समाधान लाकर खुश हैं। यह विस्तार सभी के लिए टिकाऊ गतिशीलता को किफायती बनाने की हमारी प्रतिबद्धता से मेल खाता है। हमारा मानना है कि सूरत के लोग, जो अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स द्वारा पेश किए जाने वाले परिवहन के भविष्य को अपनाएंगे।"

पावर ऑटो के मालिक श्री फेनिल एन. देसाई ने इस साझेदारी पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, च्च्हम सूरत में इलेक्ट्रिक वाहनों की एक असाधारण श्रृंखला लाने के लिए गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। शहर के मध्य में स्थित शोरूम को हमारे ग्राहकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमारी रणनीतिक स्थिति और उत्कृष्ट सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ, हमारा लक्ष्य सूरत में इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति में सबसे आगे रहना है।

डायनामिक सर्विसेज एंड सिक्योरिटी लिमिटेड के शेयरों में रणनीतिक अधिग्रहण और सोलर पार्क उपयोग स्वीकृति पर 10% से अधिक की वृद्धि

मुंबई । डायनामिक सर्विसेज एंड सिक्योरिटी लिमिटेड (DSSL), सुरक्षा सेवाओं, डिजिटलीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी, ने प्रमुख रणनीतिक विकासों के बाद अपने शेयर मूल्य में महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव किया।

4 जुलाई को, डीएसएसएल के शेयरों में 5त्न की वृद्धि हुई, जो प्रति शेयर 263.60 रुपये के ऊपरी सर्किट सीमा तक पहुंच गया। यह बढ़त राज-स्थान में 5000 मेगावाट सौर पार्क का उपयोग करने और एक रणनीतिक अधिग्रहण की घोषणा के अनुमोदन के बाद आई। 8 जुलाई तक, शेयर मूल्य और बढ़कर 276.75 रुपये हो गया, जो घोषणा के बाद से लगभग 10.24त्न की संचयी वृद्धि को दर्शाता है। यह प्रवृत्ति मजबूत निवेशक विश्वास और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में डीएसएसएल की रणनीतिक पहलों की सकारात्मक बाजार प्रतिक्रिया को रेखांकित करती है।

प्रमुख विशेषताएं: रणनीतिक अधिग्रहण: डीएसएसएल ने एनएसीओएफ नितिन साई ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने, सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने और अपने सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए डीएसएसएल के लक्ष्यों के अनुरूप है। अधिग्रहण शेयर खरीद समझौते में निर्दिष्ट विभिन्न शर्तों और शर्तों की पूर्ति के अधीन है।

सोलर पार्क उपयोग: डीएसएसएल की सहायक कंपनी, डायनामिक सोलर ग्रीन लिमिटेड, को राजस्थान में 5000 मेगावाट क्षमता वाले सौर पार्क का उपयोग करने के लिए एनएसीओएफ ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड से प्राधिकरण प्राप्त हुआ है, जिसे राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड द्वारा अनुमोदित किया गया है।

भारतीय कपड़ा व्यापारी गार्टेक्स टेक्सप्रोसेस इंडिया, न्यू दिल्ली 2024 में लॉन्च करेंगे नए उत्पाद और प्रदर्शित करेंगे नवाचार

नई दिल्ली।

निर्माण क्षेत्र में आ रही गति, तेज़ी से सम्पादित होते फॉरेन ट्रेड एग्रीमेंट्स, कपड़ा निर्यात में वृद्धि के साथ ही सरकार के भारत को 'वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने पर दिए जा रहे जोर ने भारतीय कपड़ा उद्योग के सभी हितग्राहियों के लिए आशाजनक अवसर खोल दिए हैं। इन सभी सकारात्मक पहलों से उत्पन्न होने वाला वस्त्र टेक्नोलॉजी और परिधान मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों का यह आशावाद आने वाले गार्टेक्स टैक्सप्रोसेस इंडिया में उनकी भागीदारी से साफ झलकता है, जो की नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि (आईआईसीसी) में 1 से 3 अगस्त तक होने जा रहा है।

वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद, कॉन्फेडरेशन आफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीआईटीआई) द्वारा मई 2024 में वस्त्र निर्यात और परिधान में क्रमश: 9.59त्न और 9.70त्न की वृद्धि दर्ज की गई है, जो भारतीय वस्त्र उद्योग के उत्साह को बढ़ाने वाला एक सकारात्मक संकेत है। आईबीईएफ के अनुसार, भारतीय वस्त्र और परिधान का बाजार 10त्न सीएजीआर की दर से बढेगा और 2030 तक बढ़कर 350 बिलियन यूएस डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि निर्यात 100 बिलियन यूएस डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

भारत के कपड़ा और परिधान निर्माताओं, कपड़ा मशीनरी कंपनियों, संबद्ध उद्योगों और भारत सरकार की भविष्य की योजनाओं और नीतियों से भारतीय कपड़ा क्षेत्र को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत के अग्रणी परिधान और वस्त्र निर्माण, डेनिम, एसेसरीज, टेक्सटाइल प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी आदि के इस सबसे बड़े एक्सपो – गार्टेक्स टेक्सप्रोसेस इंडिया – में नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि के 15,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में 600 से अधिक ब्रांड अपना प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। भारत के अलावा इस प्रदर्शनी में चीन, इटली, जापान, सिंगापुर, ताइवान और यूएस जैसे देशों से भी टेक्सटाइल से जुड़े उद्योग कपड़ा बाज़ार में वैश्विक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगे।

पूरी प्रदर्शनी के सभी स्टॉल बिक चुके हैं और भारत के कुछ अग्रणी ब्रांड जैसे की एटी इंक्स, ऑरा टेक्नोलॉजीज, बाबा टेक्सटाइल मशीनरी, बेंज एम्ब्रॉयडरी, ब्रिटोमैटिक्स इंडिया, चेतना फैशन, डीसीसी प्रिंट विजन, जेसिंथ डाइस्टफ इंडिया और ट्रू कलर्स इसका हिस्सा बनेंगे। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड में बाओयू, ब्रदर, डाटाटेक्स, ड्यूपॉन्ट, जैक, कंसाई, सिनसिम, सिरुबा, युमेई आदि शो को वैश्विक स्तर प्रदान करेंगे।

नए प्रोडक्ट लॉन्च :

इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में एक दर्जन से ज्यादा नए उत्पादों को कंपनियों द्वारा लांच किया जाएगा और प्रदर्शक अपनी नवीनतम पेशकश को सबके सामने लेकर आएंगे। इसमें से कुछ बेहतरीन और महत्वपूर्ण प्रोडक्ट्स एमटेक्स डाई केम इंडस्ट्रीज, बिहारीजी एंटरप्राइजेज, कोडवर्स टेक्नोलॉजीज, क्रिएटिव इंडस्ट्रीज, एलएनजे डेनिम्स, पंचशील एंटरप्राइजेज, प्रो-पायनियर इको टेक्नोलॉजीज, रेनबो डेनिम, रंजन फैब्रिक्स, आरएंडबी डेनिम्स, एसबीटी टेक्सटाइल्स, सीताराम स्पिनर्स, स्टास बायोकेम, स्टूडियो नेक्स्ट टेक्नोलॉजी, ट्रू कलर्स, द टेन्थ हाउस, वीनस डेनिम्स, वर्टेक्स एज टेक, विनोद डेनिम आदि द्वारा लॉन्च किए जाएंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)